संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

# दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 349-रविवार 26-अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तीनों सेनाओं का युद्धाभ्यास 30 अक्टूबर से

## पाकिस्तान ने मध्य-दक्षिणी एयरस्पेस 2 दिन के लिए बंद किया...इसे भारत के सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' से जोड़ा जा रहा...

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** पाकिस्तान ने भारत के सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' के पहले मध्य और दक्षिणी हवाई क्षेत्र को 28 और 29 अक्टूबर को बंद करने का फैसला किया। शनिवार को जारी नोटिस टू एयरमैन के अनुसार,दो दिन हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेंगे और उड़ानों पर रोक रहेगी। हालांकि,पाकिस्तान ने इस कदम के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण से जुड़ा हो सकता है। वहीं, जानकार इसे सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' से जोड़कर देख रहे हैं। यह अभ्यास सर क्रीक के पास,यानी पाकिस्तान की सीमा से सटे इलाके में होगा। रक्षा विश्लेषक डेमियन सायमोन ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से बताया कि इस अभ्यास का दायरा 28 हजार फीट ऊंचाई तक फैला होगा। जो हाल के वर्षों में सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक है।

### पाकिस्तान बॉर्डर पर जुटेंगे 30 हजार सैनिक

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 12 दिन अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा। आर्मी,एयरफोर्स और नौसेना के 30 हजार जवान थार में जॉइंट एक्सरसाइज करेंगें। एक्सरसाइज की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी,जो 10 नवंबर तक चलेगी। इस युद्धाभ्यास के दौरान बॉर्डर कुछ एरिया में कॉमर्शियल फ्लाइट्स के रूट में बदलाव भी हो सकता है। एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात दौरे के दौरान सर क्रीक सीमा विवाद की चर्चा की थी इसके जरिए पश्चिमी एयर कॉरिडोर में उड़ानों के लिए चेतावनी दी गई है। इस दौरान कॉमर्शियल फ्लाइट के लिए इस एरिया के रूट में बदलाव हो सकता है।

### ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद सतर्कता बढ़ी,ड्रोन हमलों पर फोकस

हाल ही में पश्चिमी सीमा पर हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन गतिविधियों और घुसपैठ की कोशिशें बढ़ी हैं। इसलिए इस एक्सरसाइज में विशेष रूप से काउंटर-ड्रोन सिस्टम,संचार बाधा (जैमिंग) और ऑटोमैटिक स्पेक्ट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी मॉडर्न तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा वायुसेना प्रिसिशन स्ट्राइक,एयर डिफेंस इंटरसेप्शन और मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस पर विशेष ध्यान देगी।

### तीनों सेनाएं नई तकनीक और युद्ध प्रणाली परखेंगी

तीनों सेनाएं एक साथ तालमेल स्थापित कर यूनिफाइड ऑपरेशन,डीप स्ट्राइक और मल्टी-डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगी। इस दौरान भारतीय सेना अपने कई नए स्वदेशी हथियारों और हाईटेक सिस्टमों की टेस्टिंग भी करेगी। इनमें टी-90 एस और अर्जुन टैंक,हॉवित्जर तोपें,अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर,हेवी लिफ्ट हेलिकॉप्टर शामिल होंगे। यह अभ्यास जैसलमेर से शुरू होकर कच्छ तक होगा। कच्छ का इलाका समुद्र के पास है, इसलिए वायुसेना और नेवी के विशेष विमान इस इलाके में मिलकर काम करेंगी। अभ्यास के दौरान ड्रोन,सटीक-निर्देशित मिसाइलें,लोइटर म्यूनिशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की क्षमताओं का परीक्षण किया जाएगा। यह अभ्यास दक्षिण-पश्चिमी वायुसेना कमान की रेडिनेस और कोऑर्डिनेशन को परखने का भी बड़ा मंच बनेगा।

### चीन सीमा विवाद के बीच रणनीतिक संदेश

यह अभ्यास सिर्फ पश्चिमी मोर्चे तक सीमित नहीं है,बल्कि इसका रणनीतिक संदेश पूर्वी सीमा की ओर भी है। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच भारत यह दिखाना चाहता है कि वह दोनों मोर्चों पर एकसाथ संचालन करने में सक्षम है। 'महागुजराज' इस दृष्टि से रणनीतिक गहराई और परिचालन तत्परता को सशक्त करने वाला अभ्यास माना जा रहा है। अभ्यास के दौरान यूएवी (ड्रोन),सटीक-निर्देशित मिसाइलें,लोइटर म्यूनिशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की क्षमताओं का परीक्षण किया जाएगा। यह अभ्यास दक्षिण-पश्चिमी वायुसेना कमान की रेडिनेस और कोऑर्डिनेशन को परखने का भी बड़ा मंच बनेगा।

### ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद अभ्यास का बढ़ा महत्व

पश्चिमी सीमा पर हाल ही में हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन गतिविधियों और घुसपैठ के प्रयासों में वृद्धि देखी गई थी। इसी पृष्ठभूमि में 'महागुजराज' अभ्यास का महत्व और बढ़ गया है। इसमें काउंटर-ड्रोन सिस्टम,संचार बाधा (जैमिंग) और ऑटोमैटिक स्पेक्ट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। अभ्यास का उद्देश्य केवल हथियारों का प्रदर्शन नहीं है,बल्कि तीनों सेनाओं की संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता को वास्तविक परिस्थितियों में परखना भी है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता और संचार बाधा तकनीक को भी परखा जाएगा। साथ ही, यह अभ्यास नवीनतम युद्ध प्रौद्योगिकियों जैसे मानव रहित हवाई वाहन,सटीक निर्देशित मिसाइल और लोइटर म्यूनिशन की क्षमताओं का परीक्षण भी करेगा।

## महिला डॉक्टर सुसाइड केस में सांसद का आ रहा नाम

**महाराष्ट्र,25 अक्टूबर 2025।** सतारा जिले में गुरुवार को एक महिला डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया। मरने से पहले अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में डॉक्टर ने दो पुलिसकर्मियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। वहीं, इसी बीच सुसाइड करने वाली महिला डॉक्टर को लेकर एक जानकारी सामने आई है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सतारा पुलिस किसी आरोपी को पकड़ के रात को मेडिकल के लिए अस्पताल ले जाती थी। ऐसे में उस समय अगर सुसाइड करने वाली डॉक्टर ड्यूटी पर रहती थी तो वह उन आरोपियों को अनफिट डिक्लेयर करके एडमिट कर लेती थी। इसके पीछे की वजह यह थी की रात में आरोपियों को लाने से उसका काम बढ़ता था। साथ ही अपना काम कम करने के लिए वह उन्हें फिट होने के बावजूद अनफिट करार देकर एडमिट कर लेती थी। ऐसा तीन से चार बार होने के बाद पुलिस ने जिला मेडिकल काउंसिल को शिकायत भी की थी। वहीं, इस पर जब मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टर से जवाब मांगा तो उसने जो जवाब दिया वह हैरान करने वाला था। डॉक्टर ने जवाब में कहा था कि एक एमपी का फोन आया था। एमपी की तरफ से उसपर दबाव भी बनाया गया। हालांकि, जवाब में डॉक्टर ने किसी भी एमपी का नाम नहीं बताया था। लेकिन यह मामला सुसाइड केस से नहीं जुड़ा था। महाराष्ट्र के सतारा जिले में 28 साल की महिला डॉक्टर की कथित आत्महत्या की स्वतंत्र जांच और विशेष जांच दल से जांच के लिए सभी पार्टी के नेताओं ने मांग की है। डॉक्टर ने सुसाइड नोट में आरोप लगाया कि सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडाने ने उनके साथ कई बार बलात्कार किया,जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बीयर ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

## देश को मिलने वाले हैं नए चीफ जस्टिस

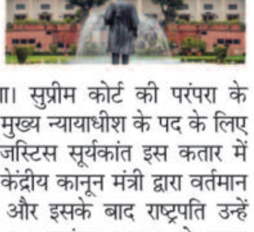

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** जस्टिस बीआर गवई के 23 नवंबर को रिटायर होने के बाद भारत को नया चीफ जस्टिस मिलेगा। सरकार ने इसके लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी के नाम के लिए अनुरोध पत्र जल्द ही सौंपा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की परंपरा के अनुसार सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश के पद के लिए नियुक्त किया जाता है। फिलहाल जस्टिस सूर्यकांत इस कतार में अगले हैं। उनके नाम की सिफारिश केंद्रीय कानून मंत्री द्वारा वर्तमान चीफ जस्टिस से प्राप्त की जाएगी और इसके बाद राष्ट्रपति उन्हें नियुक्त करेंगे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर 2025 से मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल लगभग 15 महीने तक रहेगा,यानी 9 फरवरी 2027 तक। यह कार्यकाल भारत के न्यायिक इतिहास में मुख्य न्यायाधीश के लिए औसतन मानक कार्यकाल के अनुरूप है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायिक सेवा में दो दशक से अधिक अनुभव हासिल किया है और उच्चतम न्यायालय में आते ही कई महत्वपूर्ण मामलों में निर्णायक भूमिका निभाई है।

## महिला भिखारी के पास लाखों रुपए कैश मिले,हर कोई हैरान

**कर्नाटक,25 अक्टूबर 2025।** मंगलौर में उस समय लोग दंग रह गए,जब एक महिला भिखारी के पास से लाखों रुपए की रकम बरामद हुई। महिला ने पैसे कूड़े में छिपाये हुए थे। फिलहाल पैसे और महिला की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने महिला को सुरक्षित स्थान पर भेजने का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार मंगलौर के मोहल्ला पठानपुरा से एक दिव्यांग महिला भिखारी जो कि दिमागी रूप से भी कमजोर बताई गई है। वह लगभग 13 वर्षों से एक मकान के बाहर रहती थी। बीते रोज मोहल्ले के लोगों ने उसे वहां से हटाने का प्रयास किया तो कूड़ेदान के पास रखे कुछ कट्टे उसने अपने पास छिपा लिए। साथ ही सुबह से शाम तक महिला उन कट्टों को अपने पास चिपका कर बैठी रही।

## इंजीनियर ने कार से 8 को रौंदा,5 की मौत

### आगरा में डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी,फिर भागने में 4 को और मार डाला

**आगरा,25 अक्टूबर 2025।** आगरा में एक इंजीनियर की बेकाबू कार ने डिलीवरी बॉय समेत 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग घायल हैं,जिनमें से 2की हालत गंभीर है। हादसा शुक्रवार रात न्यू आगरा थाने से कुछ दूरी पर नगला पुरी में हुआ। हादसे वाली जगह के नजदीक पुलिस चेकिंग कर रही थी। यह देखकर कार चला रहा अंशुल घबरा गया। वहां से भागने के लिए उसने स्पीड बढ़ाकर 100 से ज्यादा कर ली। उसने पहले डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल फिर भी नहीं रुका। उसने 400 मीटर के दायरे में दो जगहों पर 7 और लोगों को रौंद दिया। इसमें 4 लोगों की जान चली गई। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद लोगों ने कार चालक अंशुल को पकड़ लिया और पीट दिया। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। बवाल की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने जैसे-तैसे भीड़ से अंशुल को बचाया और थाने लेकर आई। पुलिस ने बताया कि अंशुल गुप्ता दयालबाग का रहने वाला है। वह नोएडा में एरिक्सन कंपनी में इंजीनियर है।अंशुल शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। दिवाली की छुट्टियों में वह घर आया था।

लोगों का कहना है कि अंशुल नशे में था। गनीमत रही कि कार पलटने पर एयरबैग खुल गए, जिससे उसे चोट नहीं आई। हादसे में मृतक की पहचान कमल,भानु प्रताप,कृष,बंटेश और बबली के रूप में हुई। हादसे में बचे राहुल ने बताया कि वह सड़क किनारे मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी अचानक कार हवा में उड़ते हुए मेरे ऊपर गिरी। मैं करीब 10 मिनट तक कार के नीचे दबा रहा।

## एक्टर सतीश शाह का निधन किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे...

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** एक्टर सतीश शाह का शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में निधन हो गया। वे 74 साल के थे। उनके मैनेजर ने बताया कि शाह का पार्थिव शरीर अस्पताल में ही रखा गया है। अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। वे लंबे समय से किडनी से जुड़ी परेशानी से जूझ रहे थे और हाल ही में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। सतीश शाह टीवी शो साराभाई वर्सेज साराभाई से फेमस हुए थे। उन्होंने मैं हूं ना (2004),कल हो ना हो (2003),फना (2006)और ओम शांति ओम (2007)जैसी कई मशहूर फिल्मों में काम किया था। साल 2008 में उन्होंने अर्चना पूरन सिंह के साथ टीवी शो कॉमेडी सर्कस में बतौर जज काम किया था। कॉमेडियन जॉनी लीवर ने सतीश शाह के निधन पर दुःख जताते हुए कहा कि वे उनके करीब 40 साल पुराने दोस्त थे। सतीश किडनी से पीड़ित थे। उनका ट्रांसप्लांट कोलकाता में हो चुका था। डेढ़ महीने वहां रहकर वे पूरी तरह ठीक होकर वापस आए थे। अचानक आज खाना खाने के बाद वे गिर पड़े और उनका निधन हो गया।

## पिछले 11 साल में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई : नड्डा

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. जे. पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है। इसी अवधि में स्नातक सीटें 51,000 से बढ़कर 1,29,000 और स्नातकोत्तर सीटें 31,000 से बढ़कर 78,000 तक पहुंच गई हैं। अगले पांच वर्षों में 75,000 अतिरिक्त सीटें जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 50वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में भी भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मातृ मृत्यु दर 130 से घटकर 88 पर आ गई है,जबकि शिशु मृत्यु दर 39 से घटकर 27 हो गई है। पांच वर्ष से कम आयु और नवजात मृत्यु दर में भी क्रमशः 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है- जो वैश्विक औसत से बेहतर है। डॉ. नड्डा ने बताया कि टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की कमी आई है,जो वैश्विक दर (8.3 प्रतिशत) की तुलना में दो गुना से अधिक तेज़ है।

## बिहार के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार बनानी होगी क्योंकि महागठबंधन के पास न नेता हैं,न नीयतः अमित शाह

**पटना,25 अक्टूबर 2025।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार में खगड़िया के बाद मुंगेर के तारापुर विधानसभा क्षेत्र के नौवागढ़ी में जनसभा को सम्बोधित किया और राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने पूर्व की गैर भाजपा सरकारों पर निशाना भी साधा।

जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि किसानों के लिए केंद्र सरकार ने काफी काम किया। इसका लाभ बिहार के किसानों को भी मिला। इससे फसलों के उत्पादन में बिहार का पूरे देश में स्थान बना। इसे आगे भी कायम रखना है,तो फिर से राजग का डबल इंजन सरकार बनाना पड़ेगा,क्योंकि महागठबंथन के पास न नेता है और न ही नीयत। अमित शाह ने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई, अस्पतालों में वक्त पर दवाई,खेतों की समय पर सिंचाई और हर घर में शुद्ध जल की सप्लाई,यही लक्ष्य के साथ काम कर रही बिहार में डबल इंजन की सरकार। उन्होंने कहा कि लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, तो सोनिया गांधी राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में लगी हैं। दूसरी ओर मोदी जी बिहार के युवाओं का भविष्य संवारने में लगे हैं। उन्हें पूरे बिहार की चिंता है। बीते 11 सालों में केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार के विकास के लिए करीब 19 लाख करोड़ देकर बिहार को आगे बढ़ाया। मोदी जी और नीतीश जी की जोड़ी ने पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज के लोगों के लिए बहुत काम किया,जबकि राजद और कांग्रेस खुद को बनाने में लगे रहे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समर्थन से चल रही लालू-रबड़ी की सरकार ने अनेक सालों तक बिहार में जंगलराज कायम रखा।

यह चुनाव फिर से जंगलराज को रोकने के लिए है। लालू-रबड़ी ने राज्य का काफी नुकसान किया। 2005 में जब बिहार की जनता ने उनके राज को समाप्त कर दिया,तो नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा। अगर वे फिर वापस आए,तो जंगलराज आने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए हर हाल में नीतीश और मोदी जी की सरकार बनाना है।

## पुलिस मुठभेड़ में मारा गया कोकराझार में रेलवे लाइन पर आईईडी विस्फोट का आरोपित माओवादी

**कोकराझार(असम),25 अक्टूबर 2025।** कोकराझार जिले में रेलवे लाइन पर पिछले दिनों आईईडी विस्फोट से जुड़ा माओवादी आज सुबह पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस अधीक्षक पुष्पराज सिंह ने संवाददाता सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी। बीते 23 अक्टूबर को तड़के कोकराझार रेलवे लाइन पर आईईडी विस्फोट से जुड़े उग्रवादी की तलाश में नादांगगुरी में पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अचानक हुई मुठभेड़ में पुलिस ने रेलवे लाइन पर आईईडी विस्फोट से जुड़े एपिल मुर्मु उर्फ रोहित मुर्मु (40) को मार गिराया। मुठभेड़ स्थल से पिस्तौल, ग्रेनेड,वोटर कार्ड,झारखंड का आधारकार्ड बरामद किया गया। पुलिस का अभियान आज भी जारी है। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक एपिल मुर्मु उर्फ रोहित मुर्मु पहले झारखंड में एक बम विस्फोट की घटना में शामिल था। पिछले साल अक्टूबर में झारखंड की रेलवे लाइन पर बम विस्फोट कर वह असम भाग आया था। झारखंड में उसे रोहित मुर्मु के नाम से जाना जाता है और दूसरी ओर कोकराझार जिले के कचुगांव ग्राहमपुर निवासी के रूप में उसे एपिल मुर्मु के नाम से जाना जाता है। वह झारखंड और असम,दोनों राज्यों का निवासी था। पहले वह नासला नामक उग्रवादी संगठन का सदस्य था। नासला के आत्मसमर्पण करने पर वह झारखंड भाग गया और वहां नासना समूह बनाकर संगठन का कमांडेंट बनकर अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने लगा था। बाद में उसने माओवादी समूह के साथ संबंध बनाए। रोहित मुर्मु की तलाश में झारखंड से एक पुलिस दल असम आया था। साल 2015 से वह झारखंड में हिंसक गतिविधियों में लिप्त था।

## चक्रवात मोन्था के चलते आंध्र प्रदेश में अलर्ट जारी

**अमरावती,25 अक्टूबर 2025।** चक्रवात मोन्था धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ रहा है और धीरे-धीरे एक दबाव क्षेत्र में मजबूत होता जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि यह कल तक एक गंभीर चक्रवाती तूफ़ान में बदल जाएगा। ऐसे में तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश,पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों को अलर्ट कर दिया गया है। आईएमडी के अनुसार इसके प्रभाव से 90-110 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से हवाएं चलेंगी। यह तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा। यह वर्तमान में पोर्ट ब्लेयर से 420 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम,विशाखापत्तनम से 990 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम,चेन्नई से 990 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, काकीनाडा से 1000 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और गोपालपुर से 1040 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में है।

## मणिपुरः अलग-अलग अभियानों में 4 उग्रवादी गिरफ्तार

**इंफाल,25 अक्टूबर 2025।** राज्य के तीन जिलों में एक साथ चलाए गये पुलिस अभियानों के दौरान 4 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार और पहचान के कागज़ात ज़ब्त किए गए हैं। मणिपुर पुलिस की तरफ से शनिवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार 24 अक्टूबर को सबसे बड़ी गिरफ्तारी चुराचांदपुर जिले में हुई, जहां पुलिस ने 18 साल के हाओमिनथांग हाओकिप को पकड़ा, जो यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) का सक्रिय सदस्य है। उसे ओल्ड गेलमौल स्थित उसके घर से पकड़ा गया। अधिकारियों को दो ज़िंदा राउंड से भरी पिस्तौल, मोबाइल फ़ोन और आधारकार्ड मिला। अधिकारियों के मुताबिक, हाओकिप चुराचांदपुर शहर में व्यापारियों और आम लोगों से जबरन वसूली के साथ दूसरी गैर कानूनी गतिविधियों में संलिप्त था। काकचिंग जिले में पुलिस ने 23 साल के सलाम सुशील सिंह को गिरफ्तार किया,जिसकी पहचान प्रतिबंधित संगठन केसीपी (ताइबंगनबा) के सक्रिय कैडर के तौर पर हुई है। यह गिरफ्तारी काकचिंग वैरी बामन परेंग इलाके में उसके घर से हुई। सुरक्षाकर्मियों ने उसके पास से मोबाइल फोन, आधारकार्ड और पैन कार्ड ज़ब्त किया। तीसरी गिरफ्तारी इंफाल वेस्ट जिले में हुई,जहां शमजेत्साबम संजीत सिंह (42), जिन्हें इनाओबी और नोंगशाबा के नाम से भी जाना जाता है,उसे पटसोई पुलिस स्टेशन के इलाके के संगैथेल माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया गया।

## संपादकीय

# तेल प्रतिबंध में अवसर

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं,उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो,भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है,जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा,रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वार्ताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद,भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निःसंदेह,भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा,यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप,दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए,जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

# नियंत्रण या निगरानी:असम के नए कानूनों का व्यापक संदेश

डॉ. प्रियंका सौरभ

कानून ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता,धर्मनिरपेक्षता और समान नागरिक अधिकारों पर नई बहस छेड़ दी है। समर्थक इसे सामाजिक सुधार मानते हैं,जबकि आलोचक इसे राज्य द्वारा निजी जीवन में हस्तक्षेप बताते हैं। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के वास्तविक उपाय शिक्षा,स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से आते हैं,न कि कठोर कानूनों से। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिकों को नियंत्रित नहीं,बल्कि सक्षम बनाया जाए। भारत जैसे विविध और बहुधार्मिक देश में जब कोई राज्य व्यक्तिगत जीवन से जुड़े विषयों पर नीति बनाता है,तो उसका असर सीमित नहीं रहता। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा प्रस्तावित विवाह और जनसंख्या नियंत्रण कानून इसी तरह की राष्ट्रीय बहस को जन्म दे रहे हैं। राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम सामाजिक संतुलन और अवैध जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने की दिशा में है,जबकि आलोचकों का मानना है कि यह नागरिक स्वतंत्रता और धार्मिक अधिकारों में हस्तक्षेप है। यही विरोधाभास आज की राजनीति और समाज की सबसे बड़ी परीक्षा बन गया है। असम लंबे समय से प्रवासन,जनसंख्या असमानता और सांप्रदायिक तनाव के मुद्दों से जूझता रहा है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण यहाँ बांग्लादेश से आने वाले अवैध प्रवासियों की समस्या पर राजनीति हमेशा सक्रिय रही है। इस पृष्ठभूमि में जनसंख्या नियंत्रण कानून की चर्चा सिर्फ सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति का भी हिस्सा प्रतीत होती है। मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि राज्य में कुछ समुदायों में जनसंख्या वृद्धि दर बहुत अधिक है,जिससे सामाजिक और आर्थिक असंतुलन पैदा होता है। उनके अनुसार,यदि राज्य में शैक्षिक और आर्थिक समानता लानी है,तो ऐसे कठोर कदम आवश्यक हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून ही सबसे उपयुक्त उपाय है? भारत में पहले भी ऐसे प्रयास किए गए हैं...इमरजेंसी के दौरान जबरन नसबंदी अभियान इसका उदाहरण है। उस अनुभव ने दिखाया कि जनसंख्या नियंत्रण केवल कानून या दंड से नहीं,बल्कि शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता से हासिल किया जा सकता है। असम का प्रस्तावित कानून अगर विवाह आयु,बहुपतित्व या धर्मांतरण जैसे निजी विषयों को नियंत्रित करने की दिशा में जाता है, तो यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समान नागरिक अधिकारों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करेगा। संविधान नागरिकों को अपने धर्म और जीवनशैली की स्वतंत्रता देता है। विवाह और परिवार व्यक्ति की निजता का हिस्सा हैं। अनुच्छेद 21 के अंतर्गत 'जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार' इन विषयों को भी सम्मिलित करता है। यदि कोई सरकार यह तय करने लगे कि कौन किससे और कैसे विवाह करे या कितने बच्चे हों,तो यह राज्य और व्यक्ति के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देता है। यही कारण है कि कई सामाजिक कार्यकर्ता इसे एक निगरानीवादी नीति कह रहे हैं,न कि सुधारवादी कदम।

भारत में समान नागरिक संहिता पर पहले से बहस जारी है। असम का यह कानून उस बहस को और तीव्र कर सकता है। सरकार का तर्क यह हो सकता है कि सभी नागरिकों के लिए समान नियम होना चाहिए,चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। परंतु इस समानता की अवधारणा तभी सार्थक है जब यह स्वैच्छिक और परामर्श आधारित हो,न कि भय और नियंत्रण पर आधारित। यदि किसी एक समुदाय को लक्ष्य बनाकर नीति बनाई जाती है,तो वह सुधार के बजाय विभाजन का कारण बनती है। सामाजिक दृष्टि से देखें तो जनसंख्या वृद्धि केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कारणों से नहीं होती। यह शिक्षा की कमी,गरीबी,स्वास्थ्य सुविधाओं की अनुपलब्धता और लैंगिक असमानता से अधिक प्रभावित होती है। जब तक महिलाओं को पर्याप्त शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने की शक्ति नहीं दी जाएगी,तब तक परिवार नियोजन के कानून केवल कागज़ों पर रह जाएंगे। भारत के दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या स्थिरीकरण का जो उदाहरण पेश किया है,वह शिक्षा और स्वास्थ्य निवेश का परिणाम है,न कि किसी कठोर कानून का। असम जैसे राज्य में जहाँ साक्षरता दर अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम है और ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा कमजोर है, वहाँ नए कानूनों के बजाय सामाजिक सशक्तिकरण की आवश्यकता अधिक है। यदि सरकार उन क्षेत्रों में निवेश करे जहाँ महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ पिछड़ी हुई हैं,तो जनसंख्या वृद्धि स्वतः नियंत्रित हो सकती है। इसके विपरीत,यदि सरकार नियंत्रण के नाम पर कठोरता दिखाती है,तो यह अविश्वास और भय का वातावरण बना सकती है। राजनीतिक स्तर पर यह मुद्दा विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों के लिए अवसर लेकर आया है। सत्तापक्ष इसे सुधार की दिशा में साहसिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे राजनीतिक ध्रुवीकरण का प्रयास मान रहा है। असम में चुनावी समीकरण हमेशा से जातीय और धार्मिक पहचान पर आधारित रहे हैं। इसलिए यह नीति किसी एक वर्ग को साधने और दूसरे को असुरक्षित महसूस कराने का साधन बन सकती है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर भी यह मुद्दा तेजी से फैल रहा है। मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर इस विषय को लव जिहाद,बहुपतित्व और जनसंख्या विस्फोट जैसे विवादास्पद शब्दों से जोड़ा जा रहा है। परंतु यह समझना आवश्यक है कि जनसंख्या नियंत्रण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक नीति का विषय है। यदि इसे धर्म के चश्मे से देखा जाएगा, तो समस्या सुलझने के बजाय और गहरी हो जाएगी। असम सरकार का यह दावा है कि इस कानून का उद्देश्य किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाना नहीं है,बल्कि समाज में संतुलन स्थापित करना है।

परंतु व्यवहारिक रूप से ऐसे कानूनों के लागू होने के तरीके में पक्षपात की संभावना बनी रहती है। उदाहरण के लिए, यदि प्रशासनिक स्तर पर यह तय किया जाए कि किसे बहुपतित्व या अवैध विवाह के तहत दंडित किया जाए,तो यह निर्णय अधिकारी की व्यक्तिगत धारणा पर भी निर्भर करेगा। यही वह बिंदु है जहाँ लोकतांत्रिक शासन को पारदर्शिता और जवाबदेही की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। एक और महत्वपूर्ण पहलू है कानूनों का क्रियान्वयन। भारत में पहले से ही कई जनकल्याणकारी कानून बने हैं,पर उनका प्रभाव सीमित रहा है क्योंकि उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर रही है। यदि असम सरकार नया कानून बनाती है लेकिन उसका कार्यान्वयन पक्षपाती या ढीला रहता है,तो यह सिर्फ दिखावे का कदम रह जाएगा। इसलिए, किसी भी नीति का मूल्यांकन उसके उद्देश्य से अधिक,उसके कार्यान्वयन से किया जाना चाहिए। इस पूरे विवाद का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है। जब किसी राज्य में नागरिकों को यह महसूस होता है कि सरकार उनके निजी जीवन में हस्तक्षेप कर रही है,तो नागरिक और राज्य के बीच विश्वास की दीवार कमजोर होती है। लोकतंत्र का आधार वही विश्वास है। भारत की राजनीति पहले से ही विश्वास संकट से गुजर रही है...संस्थाओं पर भरोसा घट रहा है,संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली है। ऐसे में यदि नीतियाँ लोगों को और बाँटने लगें,तो लोकतांत्रिक समाज में अस्थिरता बढ़ना स्वाभाविक है। इस विषय का वैश्विक संदर्भ भी दिलचस्प है। चीन ने दशकों तक एक बच्चे की नीति अपनाई थी,जिसके दुष्परिणाम अब सामने हैं वृद्ध आबादी बढ़ी,कार्यबल घटा,और लैंगिक असंतुलन पैदा हुआ। बाद में चीन को अपनी नीति पलटनी पड़ी। इस उदाहरण से यह स्पष्ट है कि जनसंख्या नियंत्रण यदि कठोर रूप से लागू किया जाए,तो वह सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में तो ऐसा कदम और भी संवेदनशील है क्योंकि यहाँ विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें नियंत्रण नहीं,बल्कि सशक्तिकरण की दिशा में सोचें। जनसंख्या नियंत्रण का सबसे प्रभावी तरीका शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार और समान अवसर हैं। जब नागरिकों के पास विकल्प और जागरूकता होती है,तो वे स्वाभाविक रूप से छोटे और स्वस्थ परिवार की ओर बढ़ते हैं। यह परिवर्तन कानून से नहीं,चेतना से आता है। असम के इस प्रस्ताव को यदि वास्तव में सुधारवादी बनाना है,तो उसे राजनीतिक नारों से हटाकर व्यावहारिक योजनाओं से जोड़ना होगा। जनसंख्या नीति का लक्ष्य केवल संख्या घटाना नहीं होना चाहिए,बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना होना चाहिए। राज्य को यह समझना होगा कि अनुशासन कानून से नहीं, बल्कि विश्वास से आता है। अंततः यह बहस केवल असम तक सीमित नहीं रहेगी। यह उस रास्ते का संकेत है जिस पर भारत आगे बढ़ सकता है या तो नियंत्रण के राज्य की ओर,जहाँ सरकारें नागरिकों के जीवन के हर पहलू को निर्धारित करेंगी,या फिर जागरूकता आधारित समाज की ओर,जहाँ नागरिक स्वयं अपने निर्णयों के लिए जिम्मेदार होंगे। लोकतंत्र का अर्थ तभी पूरा होता है जब राज्य मार्गदर्शक बने,मालिक नहीं। असम की पहल शायद ईमानदार चिंता से उत्पन्न हो,पर इसका रूप और परिणाम सावधानी से तय किया जाना चाहिए। एक संवेदनशील लोकतंत्र में हर नीति का मूल्यांकन उसके प्रभाव से होना चाहिए,न कि उसके नारे से।

# परीक्षा में नवाचार के समांतर चुनौतियां

विजय गर्ग

परीक्षा के मानकों और जटिलताओं के मसले पर पिछले लंबे समय से बहस होती रही है। इसमें यह सवाल भी उठता रहा है कि क्या हमारी मौजूदा परीक्षा प्रणाली किसी विद्यार्थी के भीतर की संभावनाओं और क्षमता का आकलन कर पाने में तरह सक्षम होती है। परीक्षा क्यों ली जाती है? इसका मापदंड क्या सिर्फ पढ़े हुए विषय का आकलन भर है ? अगर हम भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में परीक्षा से जुड़े तथ्यों को ध्यान से पढ़ें तो पता चलता है कि परीक्षा सिर्फ विषय ज्ञान का मूल्यांकन करना मात्र नहीं होती परीक्षा शिक्षा पाने के क्रम में व्यक्तित्व के विकास के आकलन का एक माध्यम भी है। तब शिक्षक परीक्षा के दौरान सिर्फ विषयों की जानकारी आधारित आकलन नहीं करते थे। वे इस बात का भी मूल्यांकन करते थे कि उनके शिष्य का विवेक किस स्तर का है और किसी भी परिस्थिति में बौद्धिक,व्यावहारिक एवं नैतिक रूप विश्लेषण करने की उनकी क्षमता कितनी है। परीक्षा के माध्यम से वे शिष्य को हर कसौटी जांचते-परखते थे और यह भी देखते थे कि उनकी चेतना में किन गुणों का कितना विकास हो पाया है।

मूल रूप से शिक्षा चेतना के निर्माण का कार्य करती है। तभी आज भी हम अक्सर जगह-जगह लिखा पाते हैं...सा विद्या या विमुक्तये,अर्थात् वह विद्या,मुक्त होने का रास्ता दिखाए। कोई भी विद्या तभी यह मार्ग दिखा पाएगी,जब वह चेतना में परिवर्तन का काम करे। और चेतना उर्ध्वगामी तब बनती है,यानी चेतना का विकास तब होता है,जब कल्पनाशीलता,विश्लेषण करने की क्षमता,ज्ञानेंद्रियों का विकास,विवेक और संवेदनशीलता का विकास छात्र के भीतर हो शायद इसलिए हमें प्राचीन इतिहास में होने वाली परीक्षाओं का संबंध जीवन के व्यावहारिक ज्ञान मिलता है। अब चाहे वह। अब चाहे वह विज्ञान,गणित या फिर सामाजिक ज्ञान हो, या पारंपरिक हनर यह वह विज्ञन हुनर का ज्ञान हो। वास्तव यह एक तरह से खुली किताब वाली ही परीक्षा थी,जहां जीवन को एक किताब के रूप में खोल कर उत्तर देने की अनुमति थी। तब ज्ञान बंद किताब तक सीमित नहीं था,बल्कि किताबों का ज्ञान जीवन की ओर उन्मुख था।

साधारण अर्थों में खुली किताब वाली परीक्षा का मतलब है वैसी परीक्षा जहां छात्र किताबें खोल कर उत्तर लिखने को स्वतंत्र हों,उसे नकल नहीं माना जाएगा। एक संदर्भ के साथ इस पर बात की जा सकती है। है। दिल्ली के एक विश्वविद्यालय में में स्नातकोत्तर की प्रथम परीक्षा में एक प्राध्यापक ने ओपन बुक एग्जाम रखा,यानी खुली किताब वाली परीक्षा। उसमें एक विषय के पहले सत्र की पहली परीक्षा में छात्रों को प्रश्न देते हुए कहा गया कि आप स्वतंत्र हैं, किसी भी किताब को खोल कर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। प्रश्न मुश्किल से छह रहे होंगे और उनमें से छात्रों को सिर्फ दो या तीन प्रश्न हल करने थे। छात्रों ने प्रश्न देखा और किताबें खोलने लगे। प्राध्यापक मुस्कुरा रहे थे,छात्रों को किताबों में झांकते हुए देख कर छोटे शहरों से आए छात्र छात्राओं के लिए खुली किताब वाली परीक्षा देने का यह प्रथम अवसर था। इससे पहले खुली किताब वाली परीक्षा मतलब नकल,यही जाना और सुना गया था। परीक्षा में सवाल ऐसे थे कि उनका उत्तर सिर्फ किताबों से देख कर नहीं उतारा जा सकता था। उसके लिए विवेक,कल्पनाशीलता और विश्लेषण करने की क्षमता की आवश्यकता थी। आज जिस तरह की परीक्षाएं होती हैं,उनमें विश्लेषण का शायद ही कोई स्थान होता है,वह सिर्फ तथ्य आधारित होती हैं। पिछले दिनों सीबीएसई ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला किया,जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नौवीं कक्षा का ओपन बुक एग्जाम यानी खुली किताब वाली परीक्षा होगी। शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में यह एक बड़ा कदम हो सकता है। मगर तभी संभव होगा,जब उस विधि से पढ़ाने की पर्याप्त तैयारी होगी और इसके लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और विवेक का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता होगी। पढ़ने और पढ़ाने का ऐसा तरीका हो, जहां विद्यार्थी के विश्लेषण,आलोचनात्मक दृष्टि एवं सोच की शक्ति को दबाया न जाए,बल्कि विकसित किया जाए। प्रश्न के रटे-रटाये उत्तर नहीं देने पर अनुत्तीर्ण हो जाने का डर विद्यार्थी को न सताए। कोन। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अगर शिक्षक ओपन बुक एग्जाम कला को को जानता ही न हो, या उसके मर्म को समझता ही न हो,तो इस परीक्षा की जो विशेषता है,वह मर जाएगी और उसका उल्टा असर होगा। खुली किताब वाली परीक्षा में ऐसे प्रश्न दिए जाते हैं,जिसका उत्तर किसी किताब या नोट बुक से सीधे नहीं उतारा जा सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को पढ़े विषय की जानकारी का इस्तेमाल अपने विवेक से करते हुए उसे ज्ञान में तब्दील कर उत्तर लिखना होता है। कोई भी शिक्षा जब विवेक, बुद्धि और कल्पना के साथ व्यवहार में लाई जाती है, तो वह ज्ञान में परिवर्तित हो जाती है। खुली किताब वाली परीक्षा इसका एक माध्यम हो सकती है। वास्तव में शिक्षा में जब संवाद का स्थान बने,तभी खुली किताब वाली परीक्षा का कोई मतलब बनता है की उस एक शिक्षक जब संवाद स्थापित करने में सफल होता है,तो सीधे-साधे रटी-रटाई पद्धति पर प्रश्न पूछना कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें,इसके बजाय यह पूछा जाना महत्त्वपूर्ण है कि आज के समय में अगर महात्मा गांधी होते तो वे किस तरह के बदलाव का प्रयास करते। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक विद्यार्थी न सिर्फ महात्मा गांधी के काम का विश्लेषण करने में सक्षम होता,बल्कि वह देश की वर्तमान स्थिति को भी समझने का प्रयास करता और उसके भीतर वर्तमान में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता के महत्त्व की समझ भी विकसित होती साथ उसके भीतर एक नागरिक होने की जिम्मेदारी का बोध भी आता। जहां तक खुली किताब वाली परीक्षा का संदर्भ है,तो अगर इस प्रश्न का उत्तर देना हो कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें,तो खुली किताब से विद्यार्थी हूबहू उत्तर उतार सकता है और वह नकल ही कहलाएगी।

# कायस्थ राजवंशो का ऐतिहासिक गौरव

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारतीय समाज में हमेशा कायस्थ समुदाय का एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान रहा है। परंपरागत रूप से लेखन, प्रशासन और राजकीय कार्यों से जुड़े इस समुदाय ने न केवल प्रशासकों और मंत्रियों के रूप में बल्कि स्वतंत्र शासकों और राजवंशों के रूप में भी भारतीय इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजा टोडरमल अकबर के प्रमुख दरबारी थे। कायस्थ राजवंशों के ऐतिहासिक योगदान,उनके शासन क्षेत्रों और वर्तमान परिदृश्य में उनकी स्थिति का विश्लेषण इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कायस्थ समुदाय की उत्पत्ति के बारे में विभिन्न मत हैं। पौराणिक परंपरा के अनुसार,कायस्थ चित्रगुप्त के वंशज माने जाते हैं। पद्म पुराण में उल्लेख है कि चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए और उनके कुल बारह पुत्र हुए,जिनसे कायस्थों की विभिन्न उपशाखाएं विकसित हुईं। इतिहासकारों के अनुसार,गुप्त काल से पूर्व ही बंगाल में कायस्थ पद की स्थापना हो चुकी थी। बंगाल में कायस्थ समुदाय का इतिहास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। मुस्लिम विजय के पश्चात,बंगाली कायस्थों ने क्षेत्र के पुराने हिंदू शासक वंशों सेन,पाल,चंद्र और वर्मन राजवंशों का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार वे बंगाल के सरोगेट शासक योद्धा बन गए। बंगाली कायस्थ कई कुलों में विभाजित थे,जिनमें कुलीन कायस्थ उच्च श्रेणी के थे। पारंपरिक कथाओं के अनुसार,बोस,घोष,मित्रा, गुहा और दत्ता पांच प्रमुख बंगाली कायस्थ उप जातियां थे। गौड़ कायस्थों में नंदी,पाल,इंद्र,कर,भद्र,धर,ऐच,सुर,दाम,बर्धन,शील, चाकी और आध्य जैसे प्रमुख कुल शामिल थे।

ऐतिहासिक अभिलेखों में उल्लेख है कि गौड़ कायस्थों में महाभारत काल के भागदत्त और कलिंग के रुद्रदत्त जैसे राजा हुए थे। मध्यकाल में बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में कायस्थ परिवारों ने स्थानीय शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन परिवारों ने न केवल राजनीतिक सत्ता का प्रयोग किया बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं को भी समृद्ध किया। बंगाली कायस्थों का योगदान केवल राजनीति तक सीमित नहीं था,बल्कि वे साहित्य,कला और शिक्षा के क्षेत्र में भी सदैव अग्रणी बने रहे। दक्षिण भारत में,विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में,कायस्थ राजवंश ने तेरहवीं शताब्दी में शासन किया। यद्यपि वे नाममात्र रूप से काकतीय राजवंश के अधीन थे,किंतु व्यावहारिक रूप से वे स्वतंत्र शासक थे। कायस्थ राजवंश ने आंध्र में पनुगल से मार्जवाड़ी तक विशाल क्षेत्र पर शासन किया,जिसकी राजधानी वल्लूर और गांडिकोटा थीं। इस राजवंश में चार शासक हुए,जो सभी महान योद्धा और प्रशासक के रूप में विख्यात थे। गांडिकोटा का किला आज भी उनकी स्थापत्य कला और सैन्य दक्षता का प्रमाण है। यह किला अपनी सुरक्षा व्यवस्था और रणनीतिक स्थिति के लिए प्रसिद्ध था और कायस्थ राजाओं की सैन्य कुशलता को प्रदर्शित करता है। उत्तर भारत में चित्रगुप्तवंशी कायस्थों की विभिन्न शाखाएं थीं जिनमें अभिष्ट,अस्थाना,बाल्मीक,भटनागर इत्यादि थीं। ग्यारहवीं शताब्दी के बाद के शिलालेखों में विभिन्न क्षेत्रीय वंशों का उल्लेख मिलता है जो उत्तर भारतीय कायस्थों की शाखाओं से संबंधित थे। इन वंशों को उनकी सामान्य व्यावसायिक विशेषज्ञता के साथ पहचाना जाता था और जिनके सदस्य मध्यकालीन राज्यों के प्रशासन में विशेष रूप से प्रभावशाली हो गए थे। कुछ कायस्थों ने सैन्य कमांडरों और क्षेत्रीय शासकों के रूप में भी पद संभाले।

# हमारा महापर्व छठ पूजा

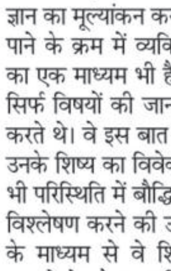

चन्दन केशरी

जिस प्रकार पश्चिम बंगाल का दुर्गा पूजा और महाराष्ट्र का गणेश चतुर्थी वहाँ के लोगों की संस्कृति व सभ्यता को प्रदर्शित कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है,ठीक उसी प्रकार हमारे बिहार,झारखंड और उत्तर प्रदेश का महापर्व छठ पूजा हमारी संस्कृति व सभ्यता को प्रदर्शित कर सभी को अपनी ओर खींच लेता है। यूँ तो हम लोग अनेकों पर्व-त्योहार मनाते हैं, लेकिन पर्वों में महापर्व केवल छठ पूजा को कहा गया है। यह पर्व छठी मईया और सूर्य देव को समर्पित है। कार्तिक मास के आरंभ से ही छठ पूजा के गीत हमारे कानों तक पहुँचकर हृदय में एक विशेष अनुभूति जागृत कर यह बताते हैं कि हमारा महापर्व छठ आ रहा है और इन गीतों को सुनकर हम सभी के चेहरे पर खुशी दिखती है,और इसका कारण है हमारी प्रतीक्षा;अर्थात हम लोग इस महापर्व की प्रतीक्षा पूरे वर्ष करते हैं। छठी मईया की महिमा का बखान करते हुए स्व. शारदा सिन्हा जी ने जिन गीतों को अपनी मधुर आवाज दी है,ऐसा लगता है कि इन गीतों को गाते समय छठी मईया ने स्वयं उनके सिर पर अपना हाथ रखा हो। स्व. शारदा सिन्हा जी आज हमारे बीच नहीं हैं,लेकिन उनके गीत सदियों तक अमर रहेंगे। 4 दिनों तक चलने वाले इस पर्व की महिमा जितनी लिखी जाए कम है। इस पर्व में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है जिसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस नहाय-खाय को हम लोग कद्दू-भात के नाम से भी जानते हैं। इस दिन कद्दू-भात के महाप्रसाद की परंपरा है,जो सात्विक भोजन होने के कारण न सिर्फ हमारे मन को प्रसन्न रखता है बल्कि इस पर्व की पवित्रता को भी दर्शाता है। द्वितीय दिवस को हम खरना या लोहंडा के नाम से जानते हैं। इस दिन व्रतियाँ पूरे दिन भूखे रहकर शाम में खीर या रसिया का महाप्रसाद बनाती हैं। इस प्रसाद को पाकर जहाँ हमारा मन तृप्त हो जाता है,वहीं व्रतियाँ इसे ग्रहण कर आरंभ करती हैं अपना 36 घंटों का निर्जला उपवास। तृतीय दिवस अर्थात संध्या अर्घ के दिन हम माथे पे दउरा लेकर घाटों पर जाते हैं। माथे पे दउरा लेकर जाना स्वयं में अत्यंत उत्साह से भरा होता है। इस दिन हम सूर्य को अर्घ देते हैं। ये दृश्य यह दर्शाता है कि उदित हो या अस्त, सूर्य देव सदैव ही हमारे लिए पूजनीय हैं और कोई भी व्यक्ति चाहे गिर रहा हो या उठ रहा हो,हम उसकी स्थिति नहीं अपितु उस व्यक्ति का सम्मान करते हैं। चतुर्थ दिवस को हम प्रातः अर्घ या पारण कहते हैं,जिसमें सूर्योदय से पहले ही सभी लोग घाटों में इकट्ठा हो जाते हैं। यह दृश्य अपने आप में अद्भुत लगता है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस धरती का कण-कण सूर्य देव के उदित होने की प्रतीक्षा कर रहा हो। सूर्योदय होते ही हम सूर्य देव को अर्घ देते हैं। इस दिन विभिन्न फलों के साथ-साथ ठेकुए का प्रसाद मिलता है। हमारे हृदय में ठेकुआ के लिए एक अलग ही प्रेम है। इस ठेकुआ को पाने की प्रतीक्षा हम 1वर्ष करते हैं और यह पाकर मन तृप्त हो जाता है। लोग काम करने के लिए अपने शहर से कितने भी दूर क्यों न हो,यह पर्व उन्हें अपने गाँव बुला ही लेता है। घाटों की साफ-सफाई इत्यादि का कार्य सभी छोटे-बड़े मिलकर करते हैं,जो हमारे सामाजिक सौहार्द और एकता को दर्शाता है। कहते हैं कि माता सीता और सूर्यपुत्र कर्ण ने भी यह पर्व किया था। यह पर्व संयम,अनुशासन एवं पवित्रता का प्रतीक है। इस पर्व में कोई भेदभाव नहीं होता अमीर हो या गरीब,सभी छठ घाट पर एक साथ अर्घ देते हैं।

वीरेन्द्र नामदेव

# मोदी के आगमन पर मोदी की गारंटी का मान रखे मुख्यमंत्री

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर को राज्योत्सव आयोजन के अवसर पर पेंशनरों और कर्मचारियों के लिए केन्द्र के समान जुलाई 25 से बकाया 3% प्रतिशत डीए डीआर को एरियर सहित कुल 58% प्रतिशत के आदेश करने की मांग की है। राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर मोदी की गारंटी को पूरा कर उनका मान रखने का आग्रह किया है। जारी विज्ञप्ति में आगे बताया गया है कि राज्य के पेंशनर्स और कर्मचारीगण राज्योत्सव में महंगाई भत्ता तथा महंगाई राहत (डीए डीआर) के आदेश के इंतजार में है। भाजपा शासित गुजरात,उत्तर प्रदेश,राजस्थान,उत्तराखंड,और बिहार सरकार ने भी एरियर सहित 58% प्रतिशत के आदेश जारी कर दिए हैं। परंतु छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जानबूझकर आदेश जारी करने में पूर्व की भांति विलंब किया जा रहा है जिसके कारण राज्य में कर्मचारियों व पेंशनरों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसलिए सरकार जुलाई 25 से बकाया 3% प्रतिशत को एरियर सहित देने का आदेश जारी करने संबंधी निर्णय कर राज्योत्सव में घोषित करने की मांग की है। जारी संयुक्त विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार वर्मा दुर्ग, महिला प्रकोष्ठ प्रमुख द्रौपदी यादव पत्थलगांव जशपुर,राष्ट्रीय मंत्री रामनारायण ताटी जगदलपुर,पूरन सिंह पटेल रायपुर तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव,कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे पी मिश्रा,महामंत्री अनिल गोल्हानी,प्रदेश संगठन मंत्री टी पी सिंह, कोषाध्यक्ष बी एस दसमेर, संभागीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार त्रिवेदी रायपुर,राजेश कश्यप बिलासपुर,गुरुचरण सिंह अंबिकापुर, आर एन ताटी जगदलपुर,बी के वर्मा दुर्ग,केंद्रीय सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुरेश मिश्रा रायपुर,सेवानिवृत दैनिक वेतन भोगी कार्यभारित प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अनिल पाठक रायपुर तथा प्रदेश के विभिन्न जिले से खोड़स राम कश्यप बलौदाबाजार,आर जी बोहरे रायपुर,आई सी श्रीवास्तव राजनांदगांव,राकेश जैन बिलासपुर,परमेश्वर स्वर्णकार जांजगीर चांपा,रमेश नंदे जशपुर,अभय शंकर गौराहा रायगढ़, देवनारायण साहू सारंगढ़,एम एल यादव कोरबा,ओ पी भट्ट कांकेर,आर डी झाड़ी बीजापुर,एस के देहारी नारायणपुर,एस के धातोड़े कोंडागांव,रूपकुमार झाड़ी दंतेवाड़ा,शेख कासिमुद्दीन सुकमा,प्रेमचंद गुप्ता वैकुंठपुर,माणिक चंद्र अंबिकापुर,राजेन्द्र पटेल बलरामपुर,संतोष ठाकुर सूरजपुर,आर ए शर्मा गौरेला पेंड्रा मरवाही,शिवशेखर सिंह मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर,हरिप्रसाद मिश्रा सक्ती,भैयालाल परिहार मुंगेली,पी आर साहू दुर्ग,यवन कुमार डिंडोरे बेमेतरा,रिखीराम साहू महासमुंद,लखन लाल साहू गरियाबंद,रामेंद तिवारी मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी,प्रकाश गुप्ता कबीरधाम,देवदत दुबे खैरागढ़ छुईखदान गंडई आदि ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मोदी की गारंटी को पूरा कर केंद्र के समान 58% महंगाई भत्ता/महंगाई राहत एरियर सहित जुलाई 25 से राज्य के कर्मचारियों व पेंशनरों और परिवार पेंशनरों के साथ साथ राज्य के कर्मचारियों के लिए भी स्वीकृत कर तुरंत आदेश जारी करने की मांग की है।

**सूचना**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

# सड़क़ों की जर्जर स्थिति : छठ पूजा में श्रद्धालुओं को हो सकती है परेशानी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर की सडक़ों की स्थिति दिनों-दिन और भी खराब होती जा रही है। बड़े-बड़े गड्ढों से सजी यह सडक़े न केवल वाहन चालकों के लिए,बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी खतरे का कारण बन चुकी हैं। इन जर्जर सडक़ों पर उड़ती धूल से जहां एक ओर स्थानीय लोग परेशान हैं,वहीं अब छठ पूजा के समय श्रद्धालुओं को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस पर्व की आस्था से जुड़ी कठिन तपस्या के बीच यह सडक़ें व्रतियों के लिए एक असहन्य चुनौती बन चुकी हैं। छठ पूजा,जो कि एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है, इस बार शनिवार से शुरू हो चुका है। चार दिवसीय इस महापर्व के दौरान व्रति कठिन साधना और तपस्या करते हैं। रविवार को घाटबन्धन की प्रक्रिया के बाद श्रद्धालु शहर के विभिन्न घाटों की ओर प्रस्थान करेंगे। इन घाटों तक पहुंचने के लिए उन्हें जर्जर और गड्ढों से भरी सडक़ों का सामना करना होगा। यह सडक़े न केवल वाहन चलाने के लिए, बल्कि पैदल चलने के लिए भी असुविधाजनक बन चुकी हैं,जिससे श्रद्धालुओं का यात्रा करना एक संघर्ष बन चुका है। विशेष रूप से शहर का काली मंदिर से शंकर घाट तक का मार्ग बेहद खराब स्थिति में है। यह मार्ग प्रतिदिन हजारों लोगों के लिए आवाजाही का मुख्य रास्ता है। खासकर छठ पूजा के दौरान यह मार्ग और भी व्यस्त हो जाता है,जब व्रति दंडवत करते हुए अपने धार्मिक कर्तव्यों को निभाने के लिए घाट तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस रास्ते पर मौजूद गड्ढों और धूल के कारण उनकी यात्रा बेहद कठिन हो जाती है। इन रास्तों पर चलने से व्रति अपनी श्रद्धा और आस्था के साथ ही शारीरिक कठिनाईयों का भी सामना करते हैं।

स्थानीय निवासियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस मार्ग की खराब स्थिति को लेकर प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि कम से कम छठ पूजा के दौरान इस मार्ग पर गड्ढों भरने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपने धार्मिक कर्तव्यों को निभा सकें। इसके अलावा,सडक़ की सफाई और मरम्मत की तत्काल आवश्यकता है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। शनिवार को शंकर घाट के पास आयोजित एक अनोखे प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को उजागर किया। प्रदर्शनकारियों ने शहर की खराब सडक़ों के मुद्दे को उठाया और प्रशासन की उपेक्षा का विरोध किया। प्रदर्शन में भाग लेने वालों का कहना था कि बरसात के बाद सडक़ों के मरम्मत का वादा किया गया था,लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि यह समस्या सिर्फ सडक़ों के मरम्मत का नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि छठ पूजा के दौरान जब व्रति दंडवत करते हुए घाटों की ओर बढ़ेंगे, तो जर्जर सडक़ों पर उनका संघर्ष और भी बढ़ जाएगा। कई स्थानों पर सडक़ों पर गड्ढे इतने बड़े हो गए हैं कि इनमें फंसने का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही धूल की समस्या भी लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन रही है। खासकर सांस की समस्या से पीड़ित लोग और छोटे बच्चे इस धूल के कारण परेशान हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन छठ पूजा के दौरान इस मार्ग की मरम्मत कर देता,तो श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान कोई परेशानी नहीं होती। वे अपनी पूजा और तपस्या को पूरी श्रद्धा से कर सकते थे। इसके अलावा,शहर के अन्य प्रमुख मार्गों की हालत भी ठीक करने की आवश्यकता है,ताकि आने वाले दिनों में न केवल छठ पूजा के दौरान, बल्कि रोजाना के समय में भी लोग बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकें। अम्बिकापुर के निवासी और श्रद्धालु अब यह उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लेगा और जल्दी से जल्दी सडक़ों की मरम्मत कराएगा। क्योंकि यह सिर्फ सडक़ों की स्थिति का सवाल नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी धार्मिक भावनाओं का भी मामला है।

## कलयुगी पुत्र ने अपने ही सगे पिता को मारपीट कर उतारा मौत के घाट,हत्यारे बेटे को पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
कुसमी,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम रेहड़ा में राकेश राम नामक लड़के ने अपने ही पिता को मारपीट कर उतारा मौत के घाट,कुसमी पुलिस ने हत्यारे आरोपी बेटे पर अपराध कायम कर अपराध क्रमांक- 90/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार दिनांक 24/10/25 को थाना कुसमी पुलिस को सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम रेहड़ा में राकेश राम नामक लड़के ने मारपीट कर अपने पिता पतेश्वर राम की हत्या कर दी है। सूचना पर थाना कुसमी में उपरोक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी पुत्र की पतातलाश की जा रही थी। मामले में विवेचना दौरान आज दिनांक 25/10/25 को आरोपी राकेश राम को थाना कुसमी पुलिस द्वारा अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने उपरोक्त धारा सदर का अपराध घटित करना स्वीकार करते हुए बताया कि आरोपी का दिनांक 22/10/2025 की रात करीब 10/30 बजे अपने पिता पतेश्वर से घरेलू बात पर झगड़ा हो गया था, झगड़े के दौरान गुस्से में आरोपी राकेश राम ने हाथ मुक्का एवं घर में रखे डंडे से पिता पतेश्वर राम के साथ मारपीट किया तथा पिता को घर पर छोड़ कर भाग गया। बीच बचाव में आरोपी की मां झालों बाई को भी चोटें आई हैं। घटना के अगले दिन दिनांक 23/10/2025 को डर के कारण झालो बाई ने मृतक पतेश्वर का ईलाज नहीं करवाया तथा 23/10/2025 से 24/10/2025 की दरम्यानी रात्रि अंदरूनी चोटों के कारण पतेश्वर की मृत्यु हो गई। आरोपी राकेश राम को आज दिनांक 25/10/2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

## संभाग स्तरीय महिला नगर सैनिकों का बुनियादी प्रशिक्षण सम्पन्न,434 महिला सैनिकों ने ली कर्तव्य की शपथ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर सेना परिसर अम्बिकापुर में आज संभाग स्तरीय चयनित महिला नगर सैनिकों के बुनियादी प्रशिक्षण समापन एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्री राजेश पाण्डेय,संभागीय सेनानी,नगर सेना अम्बिकापुर ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत परेड कमांडर कुमारी रोशनी तिग्गा के नेतृत्व में आकर्षक परेड के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। तत्पश्चात सभी नवप्रशिक्षित महिला नगर सैनिकों को कर्तव्य,अनुशासन और सेवा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कुल 434 महिला नगर सैनिकों को बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इनमें जिला अम्बिकापुर की 110, सूरजपुर की 51,कोरिया की 80, जशपुर की 99 और बलरामपुर की 94 महिला सैनिक शामिल रहीं। प्रशिक्षण 34 कार्यदिवसों तक नगर सेना परिसर अम्बिकापुर,विज्ञान महाविद्यालय केशवपुर एवं सामुदायिक केन्द्र मुक्तिपारा में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिला सैनिकों को फुट ड्रिल,आर्म्स ड्रिल, कानून व्यवस्था,आंतरिक सुरक्षा, बलवा नियंत्रण,फायरिंग अभ्यास एवं महिला छात्रावास सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। जिला सूरजपुर के पहाड़गांव फायरिंग रेंज में 15 से 20 अक्टूबर तक रेंज अभ्यास कराया गया, जिसमें सभी महिला सैनिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला सैनिकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, पुरस्कृतों में परेड कमांडर म.सै.क्र.150 रोशनी तिग्गा, परेड टू-आई-सी म.सै.क्र.449 अल्फा, आल राउंड बेस्ट के रूप में म.सै.क्र.471 हेमवंती (जशपुर), म.सै.क्र.438 प्रीति सिंह (सूरजपुर), म.सै.क्र.496 अश्वनी पूरी (बलरामपुर), म.सै.क्र.169 यशोदा राजवाड़े (कोरिया) तथा म.सै.क्र.137 लक्ष्मी सिंह,अम्बिकापुर को सम्मानित किया गया। वहीं बेस्ट मार्क्समैन के रूप में चंद्रकांता देवी (जशपुर), वसुम (सूरजपुर),रीतु पुरी (बलरामपुर),शिवानी (कोरिया) और अमीषा रानी धनकी (अम्बिकापुर) को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह, अम्बिकापुर एसडीएम श्री फागेश सिन्हा,रक्षित निरीक्षक श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत,आत्मानंद विद्यालय केशवपुर प्राचार्य श्री संतोष साहू, वरिष्ठ जिला सेनानी श्री व्ही.के. लकड़ा, जिला सेनानी अम्बिकापुर श्री एस.के. कठुतिया एवं जिला सेनानी बैकुंठपुर श्री संजय गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय गुप्ता उपनिरीक्षक अम्बिकापुर एवं महेश मिश्रा हवलदार कोरिया ने किया। समापन अवसर पर श्री एस.के. कठुतिया, जिला सेनानी अम्बिकापुर ने सभी अतिथियों और प्रशिक्षुओं का आभार व्यक्त किया।

## छठ पूजा के लिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के कड़े प्रबंध

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

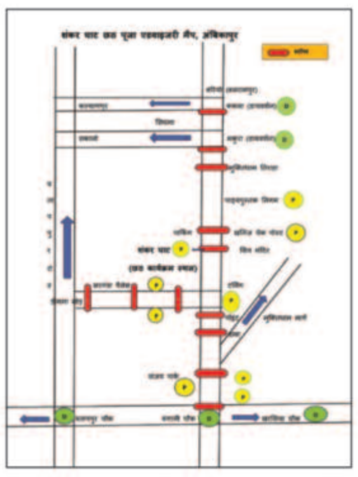

जिले में 26 से 28 अक्टूबर तक सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इस महापर्व के दौरान श्रद्धालु नदियों और तालाबों के घाटों पर इकट्ठा होकर धार्मिक अनुष्ठान और पूजा अर्चना करेंगे। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होंगे, जिसके कारण सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर कड़े प्रबंध किए गए हैं। जिले में छठ पूजा के पर्व के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा, राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों के पालन में पुलिस बल द्वारा 14 प्रमुख घाटों पर 225 से अधिक अधिकारी और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इन घाटों में प्रमुख रूप से खर्रा नदी (घुनघुट्टा बांध) और शंकरघाट (रामानुजगंज रोड) शामिल हैं, जहां पर लगभग 50-50 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। साथ ही, छठ घाटों पर प्रशिक्षित गौतखोर भी तैनात किए गए हैं, जो अपनी पैनी नजर से सुरक्षा बनाए रखेंगे। गौतखोर श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव में मदद करेंगे। सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की गई है, ताकि वे आसामाजिक तत्वों की पहचान कर सकें और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चैन स्नैचिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई कर सकें।

इसके अलावा, 5 पेट्रोलिंग टीमों को दो शिफ्टों में तैनात किया गया है, जो लगातार भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करके यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखेंगी। पूरे जिले में छठ पूजा के दौरान करीब 400 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। यातायात व्यवस्था को भी सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न रूटों पर विशेष व्यवस्था की गई है। जिले के न्यू बस स्टैंड से रायपुर और रायगढ़ की ओर आने-जाने वाली यात्री बसों के मार्ग में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही,बनारस,वाड्रफनगर,मनेन्द्रगढ़ और प्रतापपुर की ओर जाने वाली बसें भी यथावत चलेंगी। हालांकि,शंकरघाट और घुनघुट्टा बांध की ओर जाने वाली चारपहिया वाहनों के लिए मार्ग परिवर्तित किया गया है। रामानुजगंज से आने वाली यात्री बसों और चारपहिया वाहनों को भकुरा नवापारा होते हुए सरगवां सकालो निकलकर जाना होगा। इसके अलावा, 27 अक्टूबर को शाम 4 बजे से दरिमा की ओर से घुनघुट्टा नदी की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों का मार्ग डायवर्ट कर दिया जाएगा,जो अब दरिमा एयरपोर्ट के पास हाई स्कूल रोड से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। मालवाहक वाहनों के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। 26 अक्टूबर के दोपहर 2 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक और 27 अक्टूबर के दोपहर 12 बजे से 28 अक्टूबर के सुबह 10 बजे तक शहर और रिंग रोड में मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह कदम खासकर भारी वाहनों और मालवाहक वाहनों के कारण होने वाली जाम और यातायात जटिलताओं को कम करने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा, पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं के वाहन को सुगमता से पार्क करने के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। इन स्थलों में संजय पार्क के सामने, वन विभाग के बाउंड्री वॉल के पास, सूटन ढाबा के पास और मुक्तिधाम मोड़ के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

घुनघुट्टा नदी के पास स्थित पार्किंग स्थल पर विशेष ध्यान दिया गया है, जहां से श्रद्धालु घाट पर अपनी पूजा अर्चना के लिए जाएंगे। अंबिकापुर से घुनघुट्टा नदी छठ घाट पूजा के लिए जाने वाले सभी चारपहिया वाहन, घुनघुट्टा नदी पार करते हुए नदी के दाएं तरफ स्थित पार्किंग में अपने वाहन पार्क करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे से घुनघुट्टा नदी पुलिया से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन आम जनता के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। दरिमा से आने वाले वाहनों के लिए घुनघुट्टा नदी पास स्थित फुटबॉल ग्राउंड में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार, श्रद्धालुओं को पार्किंग और यातायात की किसी भी परेशानी से बचाने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारियां की हैं। इस व्यापक व्यवस्था के माध्यम से जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षा, यातायात सुविधा और एक सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

## ड्राइवर महासंघ का अनिश्चितकालीन महाबंद चक्काजाम,उग्र आंदोलन की चेतावनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ ने 25 अक्टूबर से ड्राइवर सुरक्षा कानून, शराबबंदी और वेलफेयर बोर्ड के गठन की मांग को लेकर अनिश्चितकाल के लिए महाबंद चक्काजाम की शुरुआत कर दी है। महासंघ से जुड़े करीब 100 ड्राइवरों ने शहर के अंतर्राज्यीय बस अड्डे में जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य में शराब बंदी नहीं होगी, तब तक ड्राइवरों का जीवन असुरक्षित रहेगा। महाबंद के पहले दिन स्थानीय स्तर पर चक्काजाम का ज्यादा असर नहीं देखा गया। यात्री बसें पूर्ववत चल रही थीं और यात्री बिना किसी रुकावट के यात्रा कर रहे थे। महासंघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पहले दिन के कारण ड्राइवरों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं डाला जा रहा है,ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। हालांकि,महासंघ ने चेतावनी दी कि अगर सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज करती रही तो वे उग्र आंदोलन की ओर बढ़ सकते हैं। महासंघ के जिला प्रभारी मो. अशफाक अंसारी ने बताया कि वे छह महीनों से अपनी मांगों के समर्थन में सरकार को ज्ञापन दे रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के बार्डर क्षेत्रों को पूरी तरह से सील कर दिया गया है,जिससे आवागमन बंद हो गया है। इसके बावजूद, सरगुजा जिले में ड्राइवरों को समझाया जा रहा है,लेकिन अगर बात नहीं बनी तो यहां भी सडक़ जाम किया जाएगा। महासंघ का कहना है कि जब तक ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू नहीं होगा, तब तक उनका महाबंद चक्काजाम जारी रहेगा। ड्राइवरों का कहना है कि सुरक्षित ड्राइवर,सुरक्षित परिवहन की पहचान बनते हैं, और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

उनका यह भी कहना है कि ड्राइवर भी इज्जत और हक का हकदार है,और वे अपनी जान की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महासंघ ने यह भी चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। इस आंदोलन का उद्देश्य ड्राइवरों की सुरक्षा और उनके परिवारों के कल्याण के लिए ठोस कदम उठवाना है।

## पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नए कॉलेज भवन का किया भूमिपूजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील के ग्राम हंसडांड में 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमि पूजन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ''सरकार की प्राथमिकता है कि हमारे क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य इसी परिसर में उपलब्ध हो। इस महाविद्यालय से बच्चों को कक्षा पहली से स्नातक तक पढ़ाई की सर्वश्रेष्ठ सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। नवीन भवन से स्थानीय विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने की दिशा में भी नई राह खुलेगी। शिक्षा का विस्तार ही सामाजिक विकास और आत्मनिर्भरता की सच्ची राह है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व विद्यार्थियों ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों की पुरानी मांग पूरी होना क्षेत्र के युवाओं की आकांक्षाओं की जीत है। अब उन्हें सर्वसुविधायुक्त भवन और अच्छे वातावरण में पढ़ाई के साथ भविष्य संवारने का अवसर मिलेगा। ग्रामीणों ने कहा कि यह महाविद्यालय हमारे बच्चों के सपनों को नई उड़ान देगा और उन्हें अपने क्षेत्र में रहकर पढ़ाई व करियर बनाने की प्रेरणा देगा। भूमि पूजन के अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि,ग्रामीणजन,विद्यार्थी एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## दुकान का शटर का तोड़कर चोरी करने वाला चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

-संवाददाता-
वाड्रफनगर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कपड़े और श्रृंगार की दुकान से ताला तोड़कर चार हजार रुपए एवं तीन हजार का सामान चुराने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर आरोपी पर अपराध पंजीबद्ध कर अपराध क्रमांक 197/2025 धारा 331(3), 305 बीएनएस के तहत आरोपी रामसूरत यादव पिता स्वर्गीय राजेश्वर यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी बरतीकला, चौकी वाड्रफनगर थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज को न्यायिक हिरासत में भेजा जेल। जानकारी के अनुसार दिनांक 24/10/25 को प्रार्थी सत्यनारायण चौरसिया पिता राम जन्म चौरसिया उम्र 31 वर्ष निवासी बरती कला चौकी वाड्राफनगर उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया कि दिनांक 23.24/10/25 की दरमियानी रात शिवरी चौक स्थित इसके कपड़े और श्रृंगार की दुकान की शटर का ताला तोड़कर 4000 नगद एवं 3600 रुपए का सामान अज्ञात चोर द्वारा चुरा कर ले गए हैं की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर चौकी वाड्राफनगर में अज्ञात चोर के विरुद्ध अपराध क्रमांक 197/25 धारा 331(3), 305 बीएनएस कायम कर अज्ञात चोरों की पतासाजी की गई दौरान पताशाजी सूत्रों से पता चला कि बरतीकला निवासी रामसूरत यादव पिता स्वर्गीय राजेश्वर यादव उम्र 23 वर्ष के द्वारा चोरी किया गया है तथा चोरी किए गए नगद और सामान को अपने कमरे में छुपा कर रखा है।

आरोपी को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर आरोपी से चोरी गया सामान बरामद कर आरोपी को दिनांक 25/10/25 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय जेएमएफसी न्यायालय वाड्राफनगर में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

## खड़ी कार में लगी आग,शरारती तत्वों की करतूत की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत केदारपुर में शनिवार दोपहर एक खड़ी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार धू-धू कर जल उठी और पूरी तरह से खाक हो गई। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार, कार सड़क किनारे काफी दिन से खड़ी थी। आज दोपहर अचानक उसमें आग भड़क उठी। आसपास के लोगों ने जब लपटें उठती देखीं, तो तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। हालांकि, जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, तब तक मोहल्ले के लोगों ने बाल्टी और पाइप से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। थोड़ी देर बार पहुंची फायर बिग्रेड की वाहन ने आग पूरी तरह बुझा दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी शरारती तत्व द्वारा जानबूझकर कार में आग लगाई गई हो सकती है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

CMYK

# जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज की उपस्थिति तथा कलेक्टर एवं जिला खनिज संस्थान न्यास के अध्यक्ष श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, नगर निगम अम्बिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल सहित शासी परिषद के सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल ने विभिन्न एजेंडा वार कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ी एवं सरगुजिहा बोली में प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास के तहत उपलब्ध निधि के उपयोग का अनुपात 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। इसमें पेयजल आपूर्ति,पर्यावरण संरक्षण,प्रदूषण नियंत्रण,स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण,वृद्ध एवं दिव्यांगजन कल्याण,कौशल विकास,आजीविका सृजन, स्वच्छता,आवास,कृषि एवं पशुपालन शामिल हैं। अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र में 30 प्रतिशत राशि का उपयोग भौतिक अधोसंरचना, सिंचाई, ऊर्जा तथा वाटरशेड विकास जैसे कार्यों में किया जा सकेगा। बैठक में उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पेयजल,स्वास्थ्य,पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा आदि के अंतर्गत स्वीकृत,पूर्ण और प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। शासन के निर्देशों और परिषद के सदस्यों की सहमति से नए कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने बैठक में जिले के सर्वांगीण विकास हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, भौतिक अधोसंरचना और सिंचाई से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाए, ताकि विकास का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल ने कहा कि पेंडिंग कार्यों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा तथा निर्माणाधीन कार्यों की सघन मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। बैठक के समापन पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि खनिज न्यास निधि का उद्देश्य केवल राजस्व उपयोग नहीं, बल्कि जिले के दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा किया जाए, ताकि जिले के नागरिकों को इन योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हो सके।

# शिवसागर बांध में पैलेस छठ घाट के प्रथम चरण का निर्माण पूर्ण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के शिवसागर बांध में करीब 500 फिट लंबे पैलेस छठ घाट के प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस वर्ष शिवरात्रि में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इसकी आधारशिला रखी थी। छठ पर्व के पूर्व उन्होंने यह सौगात शहरवासियों को सौंप दी है। गौरतलब हो कि शिवसागर बांध सरगुजा राजपरिवार की सम्पत्ती है। छठपर्व में श्रद्धा के कारण राजपरिवार ने पहल कर इस घाट का निर्माण कराया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि घाट निर्माण का उद्देश्य छठ पूजा के साथ ही साथ शिवसागर बांध का सौंदर्यीकरण भी है। पैलेस छठघाट के प्रथम चरण के बन जाने के बाद इस क्षेत्र में बडी संख्या में निवासरत् लोगों को छठ पर्व के लिये पडोस में सुव्यवस्थित घाट प्राप्त हो जायेगा। अगामी छठ पूजा तक घाट का विस्तार कर इसे करीब 1000 फिट लंबा बनाया जायेगा। इस वर्ष शिवसागर बांध के घाट पर करीब 500 छठव्रतियों के लिये व्यवस्था बनाई गई है, जिसमें से 400 घाटखण्डों को छठव्रतियों ने आरक्षित भी करा लिया है। पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी घाट पर व्यवस्था की जवाबदेही पैलेस घाट सेवा समिति की होगी। शिवसागर बांध पर छठ पर्व के आयोजन को व्यवस्थित करने के लिये विगत वर्ष पैलेस घाट सेवा समिति का गठन कर उसे व्यवस्था की जवाबदेही सौंपी गयी थी। इस समिति के मुख्य संरक्षक पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव हैं। अरुणेश्वर शरण सिंहदेव, आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, बालकृष्ण पाठक एवं भार्गवेन्द्र सिंह इस समीती के संरक्षक हैं। चंद्रप्रकाश सिंह को पैलेस घाट सेवा समिती का अध्यक्ष नामित किया गया था। 25 सदस्यीय इस समिति में भाजपा के स्थानीय पार्षद दीपक सिंह तोमर एवं सिंधु सोनी भी सदस्य है। समिती द्वारा घाट पर प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रुम, पीर्किंग व्यवस्था को भी अंतिम रुप दे दिया गया है। समिती अपनी ओर से सभी छठव्रतियों को प्रसाद के रुप में विभिन्न प्रकार के फल के साथ ही अर्ध्य के लिए कच्चा दूध और हवन के लिए आम की लकड़ी के वितरण की व्यवस्था की गई है। इस पूरी व्यवस्था के कार्यान्वयन में शैलेंद्र प्रताप सिंह, आतिश शुक्ला, तृप्तराज धंजल, प्रमोद चौधरी, आलोक सिंह, गुरुप्रीत सिद्धू, अमरजीत अग्रवाल, दिनेश शर्मा, जीवन यादव, अमित सिंह, शुभेंदु घोष, रोशन कन्नौजिया, नितेश सिंह, मुन्ना पांडेय , तीरथ चौधरी, नीलकंठ सोनवानी सहित समिति के सभी सदस्य सक्रिय रूप से दिनरात लगे हुए हैं।

# रेड़ नदी छठ घाट का डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने लिया जायजा

## घाटों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की रहेगी कड़ी चौकसी, घाट पर बनेगा अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
लोक आस्था का पर्व छठ पूजा को लेकर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 को सूरजपुर स्थित रेड़ नदी छठ घाट का जायजा लिया जहां घाट की सफाई सहित समुचित व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायत तेजी से जारी है जिसे देखकर वे संतुष्ट दिखे। उन्होंने छठ घाट पर लाइटिंग के साथ गोताखोर और मेडिकल टीम की तैनाती समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीआईजी व एसएसपी श्री ठाकुर ने बताया कि जिले में जिन-जिन स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाता है वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए है। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर 350 से अधिक संख्या में पुलिस अधिकारी,पुलिस के जवान को तैनात किए जायेंगे। छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस की कई पेट्रोलिंग टीमें लगातार मुस्तैद रहेगी, घाट पर अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम बनाया जायेगा। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कन्ट्रोल रूम के नंबर 9479193999 पर सूचना दी जा सकती है। रेड़ नदी मुख्य छठ घाट पर उमड़ने वाली भीड़, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति द्वारा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी की भी जानकारी ली और कई जरूरी निर्देश भी दिए। यातायात प्रभारी को वाहनों की पार्किंग के उचित इंतेजाम करने के निर्देश दिए। समिति की ओर से यहां व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए की जा रही तैयारी पर संतोष जताया। इस दौरान छठ पूजा समिति गणेश सोनी, सुनील विश्वकर्मा अनिल गुप्ता, गोविन्द साहू, संतोष सोनी, पंकज चौबे, प्रदीप सोनी, सुनील सोनी, संजय सोनी, श्रवण जैन, सूरज अवस्थी, मुदित जैन, विक्की मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे। छठ पर्व के दौरान भारी वाहन प्रतिबंधित। सूरजपुर पुलिस ने छठ पर्व को लेकर सोमवार, 27 अक्टूबर 2025 के दोपहर 12 बजे से मंगलवार, 28 अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक महगवां चौक से रिंग रोड़ कर्मा चौक तक सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया है। इसी प्रकार उक्त अवधि समय पर विश्रामपुर से भटगांव मार्ग, दतिमा से विश्रामपुर तक सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया है।

# नहान खान के साथा छठ व्रत शुरू,खरना आज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
आस्था और श्रद्धा का महापर्व छठ शनिवार से शुरू हो चुका है। यह पर्व विशेष रूप से सूर्य देव और छठी मैया की पूजा का पर्व है, जिसमें महिलाएं संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। इस साल छठ पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर से नहान-खान से हुई, जो व्रतियों द्वारा शुद्धता से स्नान कर भोजन बनाने की परंपरा से शुरू हुई। व्रतियों ने इस दिन अरवा चावल, चने का दल, लौकी की सब्जी और घी में बनाई गई अन्य सामग्री को पूरी श्रद्धा से ग्रहण किया। इसके बाद से कठीन व्रत की शुरुआत हो गई, जिसमें श्रद्धालु पूरे दिन निर्जला व्रत रखते हैं और केवल सूर्योदय और सूर्यास्त के समय अर्घ्य अर्पित करते हैं। रविवार को श्रद्धालुओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखा और शाम को घाट पर जाकर घाटबंधान की विधि को पूरा किया। घाट पर पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के बाद श्रद्धालु घर लौटकर खीर, पूरी व अन्य प्रसाद बनाकर ग्रहण करेंगे। यह अनुष्ठान 24 घंटे के निर्जला व्रत के रूप में जारी रहेगा। सोमवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे और मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर इस महापर्व का समापन करेंगे।

# शैक्षणिक संस्थान मे साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

- थाना कोतवाली पुलिस टीम एवं साइबर वालेंटियर द्वारा साइबर जागरूकता के तहत आयोजित किया गया कार्यक्रम...
- युवा पीढ़ी को साइबर अपराध के तरीके,अपराधों पर नियंत्रण एवं बचाव के तरीके बताकर किया गया जागरूक...
- छात्र छात्राओं को रुके सोचे और कार्यवाही करें जैसे स्लोगन बताकर स्वयं जागरूक रहने एवं अपने परिजनों को जागरूक करने दी गई जानकारी...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा युवाओं के बीच पहुंचकर साइबर अपराध एवं उनके रोकथाम के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु निरंतर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, ऐसे कार्यक्रमों के जरिये युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया जा रहा है, साथ ही सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में थाना कोतवाली से उप निरीक्षक सम्पत पोटाई ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न रूपों जैसे–ओटीपी फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फेक लिंक,सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी तथा साइबर बुलिंग, डिजिटल अरेस्ट, एटीम बदलकर ठगी आदि के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन से पूर्व पूर्ण रूप से जांच परख करें, किसी भी प्रकार के लालच मे आकर दूसरे के खातों मे रकम ना भेजे ठगी की घटनाये अक्सर लालच देकर शुरू की जाती है, साइबर सम्बन्धी किसी भी परेशानी अथवा शिकायत पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा cybercrime.gov.in पोर्टल पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, दर्ज शिकायतो पर त्वरित कार्यवाही की जाती है, छात्र छात्राओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी ऐप अभिव्यक्ति ऐप तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम मे शिक्षण संस्थान प्रमुख शिक्षक श्री विशाल गुप्ता एवं मुहसिन रज़ा ने विद्यार्थियों को तकनीकी युग में सतर्कता अपनाने और इंटरनेट का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान थाना कोतवाली से आरक्षक देवेंद्र पाठक एवं साइबर वालंटियर टीम से अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता एवं अनमोल बारी की सक्रिय उपस्थिति रही,जिन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर जागरूकता से जुड़ी उपयोगी जानकारियाँ साझा कीं।

# मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने लांजित,रैसरा,सम्बलपुर (सेमरा) में जलाशय जिर्णोधार कार्य का किया भूमिपूजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज ग्राम लांजित में जलाशय जिर्णोधार के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुई। जहां उन्होंने लांजीत जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया ।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की खुशहाली और सिंचाई संसाधनों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। लांजीत जलाशय का जीर्णोद्धार क्षेत्र के किसानों को स्थाई जल उपलब्धता सुनिश्चित करेगा और कृषि उत्पादन को नई गति देगा। सन् 1986 ई. में निर्मित यह जलाशय लगभग 39 वर्ष पुराना है। यह जलाशय लंबे समय से क्षेत्र के किसानों को खरीफ फसल के लिए सिंचाई सुविधा प्रदान करता रहा है। बांध की कुल लंबाई 435 मीटर है तथा इसकी जल भराव क्षमता 24.95 मिलियन क्यूबिक फीट है। जलाशय से 2 नहर निकलती है, बाई नहर 1650 मीटर तथा दाईं नहर 3390 मीटर लंबी है,जीर्णोद्धार कार्य से जलाशय अपनी रूपांकित सिंचाई क्षमता 240 हैक्टेयर को प्राप्त कर लेगी,जिससे अधिक ग्रामीणों को लाभ मिलेगा।प्रदेश सरकार द्वारा इस जलाशय के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य हेतु 258.55 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि,पंचायत पदाधिकारी, जल संसाधन एवं अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसके साथ ही उन्होंने आज ग्राम रैसरा व ग्राम सम्बलपुर (सेमरा) में भी जलाशय जिर्णोधार के भूमिपूजन कार्यक्रम और भैयाथान में जीवनदीप समिति की बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# छठ पर्व आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव : भारत सिंह सिसोदिया

## भाजपा पदाधिकारियों ने किया छठ घाटों का निरीक्षण,लिया तैयारियों का जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आज शहर के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया। उन्होंने शंकरघाट छठ घाट, केनाबांध तालाब छठ घाट सहित अनेक स्थलों पर पहुंचकर तैयारियों का जायज़ा लिया एवं आयोजन समिति के सदस्यों से भेंट की। जिलाध्यक्ष श्री सिसोदिया ने इस अवसर पर कहा कि छठ पर्व आस्था,शुद्धता और अनुशासन का प्रतीक है। यह पर्व सूर्य देव और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे सुंदर माध्यम है। अंबिकापुर सहित पूरे सरगुजा में छठ महापर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा से मनाया जाता है।

छठ घाटों की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी का सामूहिक दायित्व है, और भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी घाटों पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी विनोद हर्ष,अरुणा सिंह, निलेश सिंह,विकास पांडेय,मधु चौदाहा,मनोज कंसारी,श्वेता गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने केनाबांध तालाब छठ घाट पर चल रहे स्वच्छता अभियान में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

# आरोपी ने प्रधान मंत्री पर अभद्र टिप्पणी कर अपने फेसबुक आईडी पर किया था वायरल

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
मामले के संबंध में बताया गया कि आरोपी ईश्वरी प्रसाद पिता स्वर्गीय राजकुमार टंडन जाती सूर्यवंशी निवासी जांजगीर चांपा जिला जांजगीर(छग) को गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद कर अपराध क्रमांक 152/2025, धारा -296, 352, 353(1), 363(1), (353) बीएनएस. के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर जेल। जानकारी के अनुसार प्रार्थी विजय प्रताप सिंह पिता श्री राजमोहन सिंह उम्र 46 वर्ष निवासी बडकीमहरी के द्वारा थाना कोतवाली उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 24.10.2025 के 9-10 बजे वेजीपी कार्यालय बलरामपुर में बैठकर अपने साथियों के साथ पार्टी से संबंधित चर्चा कर रहे थे उसी समय फेस बुक आईडी से ईश्वरी प्रसाद टंडन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में अत्यत ही अपमानजनक अभद्र एवं असंवेदनशील भाषा का प्रयोग करते हुए फेसबुक पर सार्वजनिक रूप से गाली गलौज की गई है। शासकीय कर्मचारी होते हुए इस प्रकार का व्यवहार न केवल आचार संहिता का उल्लघंन है बल्कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कार्य भी है ऐसे व्यक्ति का आचारण सामाजिक सौहार्द एवं सार्वजनिक शिष्टाचार के खिलाफ है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना दौरान आरोपी को थाना तलब कर कथन लिया गया, कथन में आरोपी द्वारा उपरोक्त जुर्म कर धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

# रायसोनी मेमोरियल सरगुजा संभाग स्तरीय रेपिड शतरंज प्रतियोगिता, विधायक भैया लाल राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय समापन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जी एच आर राय सोनी स्पोर्ट्स एन्ड कल्चरल फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित,छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त कोरिया ज़िला शतरंज संघ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को एक दिवसीय सरगुजा संभाग स्तरीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन बैकुण्ठपुर के मानस भवन में किया गया उक्त स्पर्धा में 51 हज़ार के नगद इनाम के अलावा मेडल शील्ड और ट्रॉफी वितरित किया गया, पुरस्कार वितरण समापन समारोह,बैकुण्ठपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक भैया लाल राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य तथा नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ,इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी सरोज वैष्णव के साथ कोरिया ज़िला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह,आईसेक्ट कालेज के प्रबंधक नरेश सोनी,शगुफ्ता खानम मंच पर उपस्थित रहे,अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने इस आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में कोरिया ज़िला शतरंज संघ को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

# गृह मंत्री जी,यह क्या चल रहा है आपके विभाग में? एसपी का स्थानांतरण और वह जाने से पहले अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का स्थानांतरण कर गए?

- एमसीबी पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण की मनमानी पर उठे सवाल...जाते-जाते कर दिया 'चहेतों' का उद्धार?
- क्या जाते-जाते एमसीबी के तत्कालीन एसपी अपने चहेते पुलिसकर्मियों पर उपकार करते गए...थाना दिलाते गए?

## इधर पुलिस अधीक्षक का स्थानांतरण आदेश आया उधर जाते-जाते उन्होंने अपने जिले के पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण आदेश जारी कर दिया?

### दैनिक घटती-घटना की खबर पर एक बार फिर लगी मोहर,112 में पदस्थ हुए मायावी प्रधान आरक्षक...

### जिस दिन स्वयं का स्थानांतरण हुआ ठीक उसी दिन अपने जिले के पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण करना क्या नियम विरुद्ध नहीं?

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के गृह विभाग के गृह मंत्री से यह सवाल अब होने लगा है की जब पुलिस विभाग में कई जिलों के एसपी को बदल गये हैं,इस बदलाव के दौरान एमसीबी जिले के एसपी का स्थानांतरण भी हुआ,यह आदेश 24 अक्टूबर को आया,ठीक उसी दिन तत्कालीन एसपी चंद्रमोहन सिंह ने इस जिले के कर्मचारियों का स्थानांतरण आदेश भी जारी कर दिया,क्या ऐसा करना सही है,क्या इस पर छत्तीसगढ़ गृह विभाग संज्ञान लेगा? वैसे इस मामले में कुछ पुलिस अधीक्षकों का कहना है कि यह गलत है,यदि आपको पता है कि आपका स्थानांतरण होना है तो आपको इस प्रकार का आदेश नहीं निकलना चाहिए,ऐसा पहले नहीं होता था पर ऐसा अब हो रहा है,मतलब कि यह एक नई परंपरा को जन्म दिया जा रहा है। एमसीबी जिले के तत्कालीन एसपी का स्थानांतरण सूची में नाम देखकर लोग चुटकी भी ले रहे हैं उनका कहना है कि वह तो ठीक हुआ कि अपने विदाई समारोह में जिले की आंतरिक तबादला सूची नहीं जारी की उन्होंने,यह दूसरी बार ऐसा इन्होंने किया है एक बार कोरिया जिले में रहते हुए और दूसरी बार एमसीबी जिले में रहते हुए,सूची भी छोटी नहीं है,काफी लंबी-चौड़ी है,दो पन्ने की सूची है,जिसमें 51 पुलिसकर्मियों के नाम है। बताया यह भी जाता है की पुलिस अधीक्षकों का जब स्थानांतरण होना रहता है तो उन्हें इस बात की जानकारी पहले हो जाती है इसीलिए वह स्थानांतरण के एक महीने के अंतराल में सूची निकालने से बचते हैं,पर यह ऐसे पुलिस अधीक्षक हैं जो अपने चहेतों के लिए जो इनके लिए तरह-तरह के काम करते हैं उनके लिए यह जाते-जाते एक उपहार स्वरूप ऐसी सूची निकाल कर जाते हैं? जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण आदेश के ठीक बाद जिस तेजी से पुलिस विभाग में तबादले हुए हैं, उसने विभागीय पारदर्शिता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं? आरोप है कि जाते-जाते एसपी साहब ने अपने चहेते पुलिसकर्मियों का उद्धार करते हुए उन्हें मनपसंद थाने और चौकियों की जिम्मेदारी सौंप दी। इस बीच उप निरीक्षक घर के पुलिस थाने पहुंच गए और बड़े पुलिस थाने के प्रभारी बन गए वहीं निरीक्षक हांथ मलते रह गए,वैसे माना जा रहा है कि उद्धार परस्पर वाला यहां किया गया है।

### पूर्व आईजी के स्थानांतरण आदेश को चार महीने में ही गलत ठहरा कर सभी कर्मचारियों को इन एसपी महोदय ने वापस बुला लिया...

सरगुजा संभाग के पूर्व आईजी ने सरगुजा संभाग में बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए उन पुलिसकर्मियों को इधर उधर किया था जो वर्षों से एक ही जगह या जिले में पदस्थ थे और जिनकी कार्यप्रणाली से विभाग की छवि धूमिल हो रही थी और पुलिस पर से लोगों का जिन पुलिसकर्मियों की वजह से कमजोर हो रहा था,ऐसे दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों को इन एसपी महोदय ने चार महीने में ही वापस बुलाने के लिए प्रयास किया और इसके लिए उन्होंने सहमति प्रदान किया,एक तरह से इन्होंने पूर्व आईजी के स्थानांतरण आदेश को गलत ठहराया,ऐसा करके इन्होंने कईयों को वापसी के लिए सहयोग किया,यह पुलिसकर्मी पुनः या तो पुराने जिले में आकर फिर से दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के साथ काम कर रहे हैं या अगल बगल के जिले में वह काम कर रहे हैं,पुलिस विभाग के दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले पुलिसकर्मियों के लिए एसपी साहब एक ढाल थे जो उनके लिए बेहतर प्रयास करते थे।

### मायावी प्रधान आरक्षक फिर हुए पोस्ट,112 में मिली जिम्मेदारी

दैनिक घटती-घटना को जब भी कोई जानकारी मिली है वह हमेशा सच ही साबित होती है,मायावी प्रधान आरक्षक के एमसीबी जिले आने से लेकर उनकी वर्तमान पोस्टिंग तक की बात सही हो गई,दैनिक घटती-घटना ने खबर प्रकाशित कर यह बताया था कि पूर्व आईजी ने जिन विवादित पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण जिले से बाहर किया था उन्हें वर्तमान पुलिस अधीक्षक द्वारा वापस लाया जा रहा है,और वह हुआ भी,और ऐसे लोग आए भी,इस खबर में यह भी बताया गया था कि मायावी प्रधान आरक्षक को 112 की जिम्मेदारी मिलेगी जो तत्कालीन एसपी ने जाते-जाते आदेश जारी करके बता दिया की घटती घटना अखबार को मिलने वाली जानकारी सही होती है,सच्ची होती है एक बार फिर उस खबर पर मोहर लगा दी है। जिले के 112 आपातकालीन सेवा में पदस्थ एक मायावी प्रधान आरक्षक को फिर से मनचाही जिम्मेदारी मिली है। बताया जा रहा है कि यह वही प्रधान आरक्षक हैं,जिन्हें पूर्व में भी विशेष परिस्थितियों में पोस्टिंग का लाभ मिला था। खबर यह भी है कि जिस दिन तत्कालीन एसपी का स्थानांतरण आदेश जारी हुआ,उसी दिन इन आरक्षक का भी जादुई पुनःप्रवेश हुआ।

### 'विश्वसनीयों' को जशपुर में ही रहने दिया गया

खबर यह भी सामने आई है कि तत्कालीन एसपी ने अपने एक विश्वसनीय प्रधान आरक्षक को जशपुर में ही रोक लिया,जबकि उनके साथ लंबे समय से काम करने वाले दूसरे प्रधान आरक्षक को मनेंद्रगढ़ लौटने में विशेष रुचि दिखाई। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, इस अदला-बदली के पीछे एक मायावी समीकरण काम कर गया।

### क्या पुलिस विभाग में बन रही है नई परंपरा?

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है क्या अब छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में यह नई परंपरा बनती जा रही है कि अधिकारी अपने स्थानांतरण से पहले अपने चहेते स्टाफ की पोस्टिंग तय कर जाएं? विभागीय सूत्र मानते हैं कि यदि ऐसा चलन जारी रहा, तो इससे न केवल मनोबल पर असर पड़ेगा,बल्कि निष्पक्षता की भावना भी कमजोर होगी।

## क्या अभी छत्तीसगढ़ के पुलिस विभाग में एक नई परंपरा शामिल हो रही है?

- उप निरीक्षक को मिला बड़ा थाना और निरीक्षक हाथ मलते रह गए...
- एक मायावी प्रधान आरक्षक को बुलाने के लिए अपने दूसरे विश्वसनीय प्रधान आरक्षक को रहने दिया जशपुर में...?
- जिसके साथ काफी लंबा सफर तय किया उसकी जशपुर से वापसी में नहीं दिखाई दिलचस्पी और मायावी की वापसी में खूब दिखी दिलचस्पी?

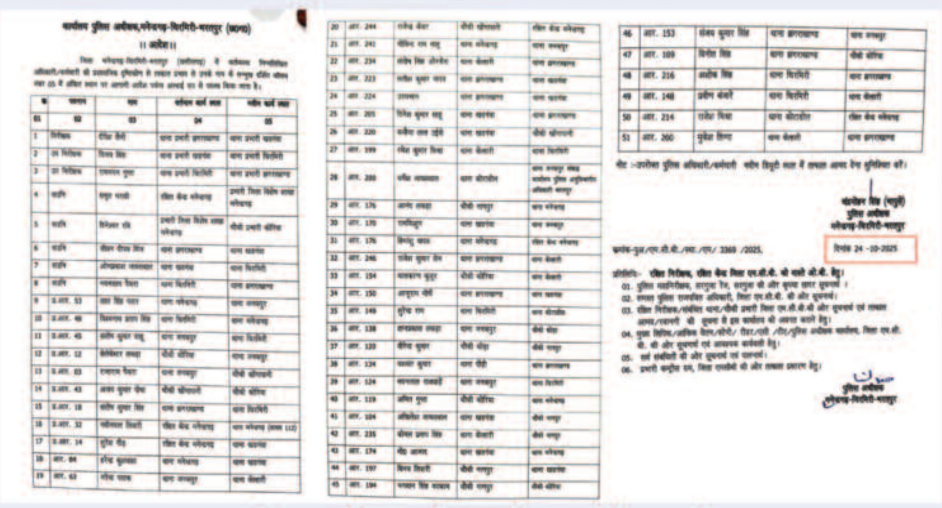

### अब वर्तमान एसपी क्या पूर्व तत्कालीन एसपी के स्थानांतरण आदेश उपरांत स्थानांतरित पुलिसकर्मियों से बेहतर कार्य ले पाएंगी...

जब किसी जिले में नए पुलिस अधीक्षक का आगमन होता है वह अपने अनुसार परीक्षण कर यह तय करता है कि कौन सा पुलिसकर्मी किस जगह या पुलिस थाने के लिए उपयुक्त होगा और कैसे जिले की पुलिसिंग बेहतर होगी,एमसीबी जिले में पुराने पुलिस अधीक्षक ने ही जाते जाते स्थानांतरण आदेश जारी कर दिया और उन्होंने यह तय कर दिया कि नए को किस पुलिसकर्मी से कहां कहां काम लेना है,नए पुलिस अधीक्षक के हांथ में आते ही ऐसे अधिकार नहीं होंगे कि वह जल्द तबादला कर पुलिसकर्मियों को अपने अनुसार जिले की बेहतर पुलिसिंग के लिए इस्तेमाल कर सके। वैसे अब देखना है कि क्या नई पुलिस अधीक्षक क्या पुराने पुलिस अधीक्षक की पसन्द वाले पुलिसकर्मियों से बेहतर काम ले पाती हैं। वैसे पुराने पुलिस अधीक्षक ने बेहतर पुलिसिंग के लिए परीक्षण आधारित तबादला नहीं किया है,जारी तबादला सूची साफ तौर बताती है कि यह मनचाही पदस्थापना प्रदान करके जारी की गई सूची है,गृह पुलिस थाना भी इस तबादले में प्रदान किया गया है और कई अन्य को भी मन मांगी मुराद पदस्थापना बतौर प्राप्त हुई है।

### स्थानांतरण आदेश के साथ ही शुरू हुआ 'ऑपरेशन पोस्टिंग'?

सूत्र बताते हैं कि जैसे ही वरिष्ठ मुख्यालय से तत्कालीन पुलिस अधीक्षक का स्थानांतरण आदेश जारी हुआ,उसी दिन जिले के भीतर कई आरक्षक,प्रधान आरक्षक और उपनिरीक्षकों के तबादले कर दिए गए। यह बात विभाग में चर्चा का विषय बनी हुई है कि जब कोई अधिकारी स्वयं ट्रांसफर पर हो,तो क्या उसे अपने अधीनस्थों की पोस्टिंग बदलने का अधिकार होना चाहिए? विभागीय नियमों के जानकार कहते हैं कि सामान्यतः ऐसे आदेश स्थानांतरण प्रभावी होने के बाद नए पदस्थ अधिकारी द्वारा किए जाते हैं। लेकिन यहां ठीक उल्टा देखने को मिला,मानो विदाई से पहले चुने हुए लोगों को उपहार मिल गया हो।

### उप निरीक्षक को मिला बड़ा थाना,निरीक्षक हाथ मलते रह गए

स्थानांतरण सूची में कुछ नामों ने सबको चौंकाया। एक उप निरीक्षक को सीधे मुख्य थाना प्रभारी का चार्ज दे दिया गया,जबकि उसी जिले के वरिष्ठ निरीक्षक हाथ मलते रह गए। विभाग के अंदर यह चर्चा तेज है कि यह विश्वास या निकटता का परिणाम था? वैसे पुलिस थाने के साथ घर का पुलिस थाना मिला यह भी चर्चा है,वैसे माना जा रहा है जैसी चर्चा भी है कि उप निरीक्षक जुगाड और संबध बनाने में माहिर हैं और सत्ता से जुड़कर अपना लाभ तय करना उन्हें बखूबी आता है जो उनकी खूबी है।

### जिले में चर्चा,मुख्यालय मौन

पूरा मामला फिलहाल चर्चा में है। हालांकि पुलिस मुख्यालय से अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं,जिले के अंदर कुछ अधिकारी मानते हैं कि स्थानांतरण सूची की समीक्षा प्रशासनिक शुचिता के दृष्टिकोण से आवश्यक है।

### पूर्व आईजी के आदेश को चुनौती

सरगुजा संभाग के पूर्व आईजी ने जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए स्थानांतरण किया था,जिसे तत्कालीन एसपी ने चार महीने में बदल दिया।

### विश्वसनीयों को विशेष लाभ

एक प्रधान आरक्षक को जशपुर में रोका गया,जबकि दूसरे को मनेंद्रगढ़ लौटने में रुचि दिखाई गई।

### नए एसपी की चुनौती

नए पुलिस अधीक्षक के लिए अब यह चुनौती होगी कि पुराने एसपी की पसंद वाले कर्मचारियों से बेहतर कार्य लिया जा सके।

### विश्लेषण

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह चलन जारी रहा,तो न केवल विभागीय निष्पक्षता प्रभावित होगी बल्कि मनोबल पर भी असर पड़ेगा। 'जाते-जाते पोस्टिंग' के इस नए रूप ने पुलिस प्रशासन में पारदर्शिता पर सवाल खड़ा कर दिया है।

### जिले में चर्चा

इस घटनाक्रम ने जिले में हलचल मचा दी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

# बालको ने कार्यस्थल पर चलाया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

-संवाददाता-
कोरबा,25 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अतंर्गत मानसिक दृढ़ता,भावनात्मक संतुलन और कार्यस्थल पर जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु जागरूकता एवं परामर्श सत्र आयोजित किए। इसके माध्यम से कंपनी ने कर्मचारियों के समग्र कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। कार्यक्रम में 150 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। अपने वेलनेस पार्टनर 'योरदोस्त' के सहयोग से बालको ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कीं,जिनमें माइंड जिम क्विज नामक 60 सेकंड की प्रतियोगिता शामिल थी।

इसका उद्देश्य एकाग्रता बढ़ाना और मानसिक तर्कशीलता को प्रोत्साहित करना था। वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. अंकिता सिंह ने कार्यशाला का संचालन किया,जिसमें तनाव के शुरुआती लक्षणों की पहचान,व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाने तथा मानसिक स्वास्थ्य को समय रहते संभालने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की गई। व्यक्तिगत सहायता उपलब्ध कराने के लिए बालको ने वन-ऑन-वन काउंसलिंग सत्रों की भी व्यवस्था की,जिससे कर्मचारी सुरक्षित और गोपनीय वातावरण में विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त कर सकें। समाधान केंद्रित इन सत्रों ने कर्मचारियों को अपनी चिंताओं को पहचानने और अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित किया,जिससे संगठन के भीतर सुनने और सहयोग करने की संस्कृति को और सशक्त किया गया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि कंपनी की प्रगति की शुरुआत लोगों से होती है और आज की तेज़-रफ्तार दुनिया में भावनात्मक सुख-शांति अत्यंत आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य एक साझा जिम्मेदारी है,हर व्यक्ति को यह महसूस होना चाहिए कि वह समर्थित,मूल्यवान है और बिना किसी भय के परामर्श प्राप्त कर सकता है। हमारा लक्ष्य ऐसा कार्यस्थल बनाना है जहाँ खुलकर बातचीत, संवेदनशील समुदाय और हर व्यक्ति को सुना जाए ताकि वह अपनी पूर्ण क्षमता से विकसित हो सके। अपने अनुभव साझा करते हुए शोविनी खेर ने कहा कि अक्सर कोई भी शुरुआती संकेतों के बारे में बात नहीं करता जैसे मनोदशा,ऊर्जा या ध्यान में सूक्ष्म बदलाव,जो किसी गहरी समस्या का संकेत हो सकते हैं। इस कार्यशाला ने मुझे उन संकेतों को पहचानने और समय रहते प्रतिक्रिया देने की समझ दी। कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बालको निरंतर जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता रहा है। कंपनी बालको प्रीमियर लीग (क्रिकेट),बैडमिंटन टूर्नामेंट और वॉलीबॉल प्रीमियर लीग जैसी खेल गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक फिटनेस और टीम भावना को बढ़ावा देती है। साथ ही पूरे साल विभिन्न त्यौहारों का उत्सव मनाकर सांस्कृतिक एकता और सामूहिक आनंद का वातावरण भी निर्मित करती है। इन पहल के माध्यम से बालको यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक कर्मचारी एक ऐसे वातावरण में कार्य करे जहाँ वह सम्मानित,समर्थित और अपनापन महसूस कर सकें।

**न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

रा0प्र0क्र01512/ ब/-121/2024
सूरजपुर, दिनांक-23.10.2025

**ईश्तहार**

आवेदक/आवेदिका का नाम तुलेश्वर राम आ0 साधारण राम,जाति- कुम्हार, निवासी ग्राम-पीढ़ा प.ह.न........तहसील सूरजपुर जिला, सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने नाना स्व. बीगना,मृत्यु/जन्म दिनांक. 06/11/2010. का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 10/11/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सूरजपुर जिला- सूरजपुर

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर, जिला- सरगुजा,छ0ग0**

**ईश्तहार**

एतद्द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी, ग्राम सिंगीटाना, तहसील लखनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक उसील राम पिता हुबलाल ग्राम सिंगीटाना, तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा के द्वारा उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम सिंगीटाना, तहसील उदयपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 360/4 रकबा 0.151 हेक्टेयर में से रकबा 0.081 हेक्टेयर का औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन स्वीकृत किए जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त व्यपवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा अथवा आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं हो सकेगा ।

आज दिनांक 26.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी उदयपुर,जिला-सरगुजा

# भ्रष्टाचार जांच में साबित होने के बाद भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना बेखौफ!

## जांच में भ्रष्टाचार साबित...कार्यवाही शून्य...पुनः लौटे सीएमओ और अब सबूत मिटाने में जुटे...

- **भ्रष्टाचार जांच में साबित होने उपरांत भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना बेखौफ,आखिर किसका है संरक्षण?**
- **मुख्य नगर पालिका अधिकारी पुनः पहुचा पटना,अब कर रहा है भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने का प्रयासःसूत्र**
- **क्या भ्रष्टाचार ही है असली सुशासन,क्या भ्रष्टाचारियों को मिलता रहेगा संरक्षण?**
- **मुख्य नगर पालिका अधिकारी का इतना प्रभाव इतनी दहशत की एसडीएम भी कलेक्टर के आदेश उपरांत नहीं कर रहे जांच**

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,25 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

नव गठित नगर पंचायत पटना में मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे थे। जांच में भ्रष्टाचार साबित हुआ,लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब वह पुनः नगर पंचायत लौट आया और अपने भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने का प्रयास कर रहा है। जांच उपरांत सीएमओ के भ्रष्टाचार की तथ्यात्मक पुष्टि हो चुकी थी,जिसमें मृत मवेशियों के दफन,अलाव निर्माण और टाइल्स का पैसा अपने खाता में डालना शामिल है। इसके बावजूद कार्रवाई शून्य रही। ज्ञात हो की नव गठित नगर पंचायत पटना में उसके गठन से लेकर अब तक भ्रष्टाचार करने वाले नगर विकास निधियों का बंदरबाट करने वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी के भ्रष्टाचार की जांच हुई जांच में भ्रष्टाचार साबित भी हुआ लेकिन उसके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हुई और वह पुनः पटना लौट आया और वह अब अपने भ्रष्टाचार को मिटाने का प्रयास जारी कर चुका है जैसी सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं,जांच उपरांत वह भी नगरीय प्रशासन संभागीय संयुक्त संचालक स्तरीय में मुख्य नगर पालिका अधिकारी की चोरी पकड़ी गई लेकिन उसके ऊपर कार्यवाही के नाम पर कोई भी बात सामने नहीं आई,अब इसके पीछे किसका हांथ है कौन एक भ्रष्ट और विकास विरोधी मुख्य नगर पालिका अधिकारी का ऐसा हितैषी है जो उसे संरक्षण प्रदान कर रहा है जिसके लिए नव गठित नगर पंचायत पटना की जनता से भी अधिक महत्वपूर्ण है मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना,क्या मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर की जनता से भी अधिक चहेता हो गया उसे संरक्षण प्रदान करने वाले के लिए,ऐसे कई सवाल खड़े हो रहे हैं और जिनका जवाब किसी के पास नहीं है,मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बिना निर्माण किए निर्माण का भुगतना कर दिया,बिना टाइल्स लगाए टाइल्स का पैसा जेब में डाल लिए,एक जेसीबी फर्म के साथ मिलकर मृत मवेशियों के कफ़न दफन का झूठा पैसा निकाल लिया और इतना ही नहीं झूठा अलाव जलाया लोगों की ठंड दूर करने की बजाए अपनी जेब गर्म किया,दैनिक वेतन भोगी कुछ कर्मचारियों को भी चोरी में शामिल किया उनके बैंक खाते में नगर विकास निधि का पैसा डाला और उन्हें कमीशन देकर उसे भी अपनी जेब में डाल लिया और बेखौफ होकर नगर को लूटने का काम करता रहा,वैसे जांच उपरांत जो तथ्य जांच में सामने आए वह भ्रष्टाचार को साबित कर गए लेकिन कार्यवाही कुछ नहीं हुई बल्कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुछ दिन इधर उधर मुंह छिपाकर जुगाड लगाकर पुनः लौट आया और वह अब अपने भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने में भीड़ चुका है,वैसे स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की सच्चाई सामने आने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं किया जाना यह संदेह उत्पन्न करता है कि किसी न किसी का संरक्षण मुख्य नगर पालिका अधिकारी को प्राप्त है जो उसे नगर को दुर्दशा की स्थिति तक पहुंचाने में मदद कर रहा है। वैसे जिले के आला अधिकारी,अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि सब कुछ जानकर मौन हैं और वह भी केवल मूक दर्शक बने हुए हैं जैसे कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी खुद के विकास के लिए स्वतंत्र है,वैसे वर्तमान परिदृश्य में यह लगातार देखने को मिल रहा है कि भ्रष्टाचार ही सुशासन की पहचान बनी हुई है जिसमें रोक टोक का प्रयास शून्य है।

घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, शनिवार 18 अक्टूबर 2025
6
आई जांच रिपोर्ट...मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना सिकंदर सिदार नगर विकास निधियों की कर रहे थे चोरी,दैनिक घटती-घटना की खबर पर लगी मुहर
संयुक्त संचालक नगरीय निकाय सरगुजा के जांच प्रतिवेदन में हुआ साबित,विकास निधियों की चोरी कर रहा था सिकंदर सिदार

### स्पष्ट भ्रष्टाचार साबित होने उपरांत भी नहीं हुई मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर कार्यवाही

नव गठित नगर पंचायत अपने गठन और गठन उपरांत पदस्थ सीएमओ के भ्रष्टाचार से आरंभ से ही ग्रसित है जो साबित हो चुका है,कभी मृत मवेशियों के मामले में भ्रष्टाचार जेसीबी फर्म के साथ मिलकर हुआ,कभी ठंड में अलाव के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ,कुछ दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के बैंक खाते का भी भ्रष्टाचार के लिए इस्तेमाल हुआ,हद तो तब हुई जब पुराने भवन में रंगाई-पोताई मात्र करवाकर भवन निर्माण और सर्व सर्वसुविधा युक्त बनाने के नाम से लाखों निकाल लिए गए,मामले में शिकायत हुई जांच भी हुई लेकिन जब कार्यवाही की बात हुई मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पुनः नगर पंचायत पहुंच गया और अब वह आगे भी नए भ्रष्टाचार को अंजाम देगा जो झुठलाया नहीं जा सकता।

### कलेक्टर के निर्देश पर भी नहीं पहुंचे एसडीएम जांच करने,क्या वह भयभीत हैं?

मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना की शिकायत कलेक्टर कोरिया से भी हुई,कलेक्टर ने एसडीएम को 15 दिवस के भीतर जांच का आदेश दिया,आदेश जारी होने और समय सीमा में पालन के बीच 23 दिनों का समय बीत गया,न एसडीएम नगर पंचायत पहुंचे न उन्होंने जांच ही की,समय सीमा का ध्यान नहीं रखते हुए मामले में कोई भी जांच एसडीएम ने नहीं की,अब सवाल यह उठता है कि क्या एसडीएम भयभीत हैं,डरे हुए हैं सीएमओ के पीछे की उसकी पकड़ पहुंच से वह अवगत हैं इसलिए वह जांच से खुद किनारे हैं।

### मुख्य घटनाक्रम

- **जेसीबी फर्म घोटाला:** मृत मवेशियों के दफनाने के नाम पर भ्रष्टाचार।
- **अलाव घोटाला:** ठंड में अलाव जलाने का नाम पर पैसों का गबन।
- **भ्रष्टाचार में कर्मचारी शामिल:** दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के बैंक खाते का दुरुपयोग।
- **भवन निर्माण घोटाला:** केवल रंगाई-पोताई कर लाखों की निकासी।
- **कलेक्टर आदेश पर भी जांच नहीं:** कलेक्टर ने 15 दिन में जांच का निर्देश दिया, लेकिन 25 दिन बीतने के बाद एसडीएम ने कोई कार्रवाई नहीं की।

**भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने का क्या मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिया गया मौका,पुनः कार्य पर लौटा सीएमओ**

भ्रष्टाचार के आरोप जांच में सही साबित हुए,अब जब जांच में भ्रष्टाचार साबित हुआ क्यों कार्यवाही नहीं हुई यह बड़ा सवाल है,सीएमओ पुनः नगर पंचायत में आना जाना जारी कर चुका है,क्या उसे भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने के लिए छोड़ दिया गया है जिससे लीपापोती वह कर सके। वैसे क्या वह दस्तावेजों को आग के हवाले करने वाला है या उन्हें चोरी गया बताने वाला है, क्या ऐसा कुछ प्रायोजित किए जाने के लिए उसे फिलहाल पुनः नगर पंचायत आने की अनुमति प्रदान की गई है।

घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025
5
क्या कलेक्टर केवल नगरीय निकायों की साफ-सफाई पर ध्यान देंगे या नगरीय निकायों में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी मिटाएंगे?

### विश्लेषण और सवाल

- क्या सीएमओ को संरक्षण मिल रहा है?
- क्या नगर पंचायत की जनता से ज्यादा महत्वपूर्ण है सीएमओ को संरक्षण देने वाला?
- भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने के लिए उसे पुनः नगर पंचायत आने की अनुमति क्यों मिली?
- **विशेष टिप्पणी:-** भ्रष्टाचार के स्पष्ट सबूत होने के बाद भी कोई कार्रवाई न होना यह संकेत देता है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पीछे कोई प्रभावशाली संरक्षक मौजूद है।

### आईये मामले को सरलता से समझे

- **भ्रष्टाचार की टाइमलाइन:** जांच में भ्रष्टाचार साबित? कोई कार्रवाई नहीं? पुनः लौटे सीएमओ सबूत मिटाने का प्रयास
- **मुख्य घोटाले:** मृत मवेशियों के आहरण,अलाव घोटाला,भवन निर्माण घोटाला,दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का दुरुपयोग
- **जांच की स्थिति:** कलेक्टर आदेश? 15 दिन में जांच वास्तविकः 25 दिन बाद भी कोई जांच नहीं

घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025
5
बिना कार्यादेश के हो गया निर्माण एवं मरम्मत कार्य का भुगतान, नवगठित नगर पंचायत के सीएमओ का खुलेआम भ्रष्टाचार जारी?

नगर पंचायत पटना संगठन और सत्ता के बीच अब संघर्ष के कारण भ्रष्टाचारी सीएमओ झेलने मजबूर है?

घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025
6
नगर पंचायत सीएमओ पटना के स्वेच्छाचारिता की जांच 15 दिनों की बजाए 23 दिनों में भी नहीं हो सकी संभव,आखिर किसका है दबाव?

### मृत मवेशियों के नाम पर आहरण,कैसे नजर मिला पा रहे हैं ऐसा भ्रष्टाचार करने वाले

मृत मवेशियों के नाम पर जेसीबी फर्म के साथ मिलकर सीएमओ ने आहरण किया है,सूत्रों की माने जिस फर्म के साथ यह घोटाला किया गया वह फर्म इतने मवेशी दफनाया ही नहीं,अब मवेशियों के मृत्यु उपरांत उनके दफनाने के नाम पर भ्रष्टाचार करके किस तरह लोगों से नजर मिला सकेंगे ऐसे लोग यह समझ से परे है।

# कोरिया जिले में सिंचाई क्षमता में ढाई गुना वृद्धि,25 वर्षों में खेती का चेहरा बदला

## सिंचाई रकबे में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी,40 हजार से अधिक किसान ले रहे लाभ,कई जलाशयों में नहर मरम्मत और विस्तार कार्य से किसानों को हुआ लाभ

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,25 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष में कोरिया जिले ने सिंचाई के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। पिछले 25 वर्षों में जिले की कुल सिंचित रकबा में ढाई गुना से अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 में जिले का सिंचित रकबा 18 हजार 13 हेक्टेयर था,जो अब बढ़कर 21 हजार 102 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। यदि सिंचाई प्रतिशत की बात करें तो यह वर्ष 2000 में 13.72 प्रतिशत थी,जो अब बढ़कर 34.55 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि जिले की कृषि व्यवस्था और जल संसाधन प्रबंधन में आए सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती है। रबी फसलों के सिंचाई रकबे में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2000 में जहाँ मात्र 3 हजार 595 हेक्टेयर में रबी फसलों को सिंचाई सुविधा प्राप्त थी,वहीं अब यह क्षेत्र बढ़कर 5 हजार 469 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। जल संसाधन संभाग,बैकुंठपुर के अनुसार,वर्ष 2000 में जिले में 1 मध्यम और 63 लघु सिंचाई परियोजनाएँ संचालित थीं।वर्तमान में 2025 में यह संख्या 2 मध्यम और 58 लघु परियोजनाओं तक है। इस बीच अविभाजित कोरिया जिले की 43 लघु परियोजनाएँ नवगठित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले को हस्तांतरित की गई हैं। वर्ष 2000 में 28 हजार 619 किसान सिंचाई परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहे थे,जबकि अब यह संख्या बढ़कर 40 हजार 210 तक पहुँच गई है। जिले में वर्तमान में कुल 60 सिंचाई परियोजनाएँ संचालित हैं,जिनमें से 2 प्रमुख हैं। यह उपलब्धि न केवल कोरिया जिले की कृषि उत्पादकता में वृद्धि का प्रतीक है,बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और किसानों की जीवनशैली में आए सकारात्मक बदलाव का भी द्योतक है।

**सिंचाई के क्षेत्र में पूर्व मंत्री रामचन्द्र सिंह देव का अभिनव योगदान:** प्रदेश सहित जिले में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ बनाने में तत्कालीन मध्यप्रदेश में सिंचाई मंत्री रहे एवं छत्तीसगढ़ पूर्व व प्रथम वित्त मंत्री कोरिया कुमार डॉ राम चंद्र सिंह देव को जाता है अविभाजित कोरिया के अधिकांश डेम एवं बांध कोरिया कुमार देंन माने जाते है चाहे बैकुण्ठपुर के गेज बांध की बात की जाए या फिर सोनहत के घुनघुट्टा,टेडिया तंजरा जलाशय हो सभी के निर्माण में इनका अभिनव योगदान रहा ,कोरिया कुमार के कार्यकाल में सोनहत एवं बैकुण्ठपुर में नहरों का व्यापक स्तर पर विस्तार हुआ जिससे आज जिले के किसान कही न कही लाभान्वित हो रहे हैं।

**डाऊकाबुड़ा जलाशय नहर निर्माण से किसानों की बदली जिंदगी:** सोनहत विकासखण्ड मुख्यालय के डाऊकाबुडा जलाशय में 2023 में हुई पक्की नहर निर्माण से सोनहत क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ हुआ सोनहत खुटरा पारा सलगवा कला भेलवाडाण्ड आदि क्षेत्र में नहर निर्माण होने से किसानों को धान की फसल में भारी फायदा हुआ,अब पानी सीधे किसानों के खेतों तक पहुचने लगा है।

**किशोरी जलाशय निर्माण से लोगो को सिंचाई के साथ मिला रोजगार:** सोनहत के किशोरी जलाशय निर्माण होने के बाद किसानों को फसल के साथ रोजगार भी मिला,धान एवं गेंहू के फसल के लिए यह जलाशय वरदान साबित हुआ,क्षेत्र के ग्रामीण यहां खेती के साथ मछली पालन भी कर रहे हैं जिससे उनकी आय में बढोत्तरी हो रही है।

**तंजरा में हो रहा दो फसली खेती:** तंजरा जलाशय में किसान दो फसली खेती कर लाभ ले रहे हैं,यह जलाशय भी स्व डा राम चन्द्र सिंह देव के प्रयासों से निर्मित हुआ था। पूर्ववर्ती सरकार में नहर मरम्मत और वेस्ट वियर से लीकेज की समस्या ठीक होने के बाद पानी नहरों से पानी पर्याप्त मिलने लगा है।

C M Y K

# हर्षित राणा,रोहित शर्मा और विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज स्वीप से रोका

## ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की

**सिडनी,25 अक्टूबर 2025।** सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शनिवार का दिन भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यादगार रही, जब पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार पारियों ने ऑस्ट्रेलिया को 3-0 की सीरीज़ जीत से रोक दिया। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक जड़ा,जबकि कोहली ने संगकारा को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ का रिकॉर्ड अपने नाम किया। दोनों दिग्गजों ने जनवरी 2020 के बाद पहली बार किसी भी प्रारूप में शतकीय साझेदारी की और भारत को नौ विकेट से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले, युवा तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा (4/39) की शानदार गेंदबाज़ी ने ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 236 रनों पर ढेर कर दिया। मैथ्यू रेंसॉ (56) ही अकेले जूझते नज़र आए,जबकि भारतीय गेंदबाजों-हर्षित राणा,कुलदीप यादव,वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने सधी हुई गेंदबाज़ी से मेज़बान टीम की कमर तोड़ दी।

### ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने किया संघर्ष

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर बल्लेबाज़ी का फैसला किया,लेकिन यह निर्णय उलटा पड़ गया। मोहम्मद सिराज ने ट्रैविस हेड (31) को आउट कर शुरुआती झटका दिया। मार्श ने कुछ समय तक टिके रहते हुए 41 रन बनाए,पर अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड हो गए। रेंसॉ और मैथ्यू शॉर्ट ने बीच में साझेदारी बनाई,लेकिन सुंदर और अक्षर की कसी हुई गेंदबाज़ी ने रन गति थाम दी। शॉर्ट (28) का विकेट कोहली के शानदार कैच से गिरा,जबकि श्रेयस अय्यर ने एलेक्स कैरी का अविश्वसनीय कैच पकड़कर सभी को चौंका दिया। हालांकि इस दौरान उनके बाएँ पसलियों में चोट लगी,जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। रेंसॉ के अर्धशतक के बाद जैसे ही वे आउट हुए,बाकी बल्लेबाज़ जल्दी-जल्दी पवेलियन लौट गए। हर्षित और प्रसिद्ध कृष्णा ने अंतिम झटके देकर मेज़बान टीम की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर समेट दिया।

### भारत की जवाबी बल्लेबाज़ी कोहली-रोहित का क्लासिक शो

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत शानदार रही। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पावरप्ले में 68 रन जोड़ दिए। गिल (38) के आउट होते ही मैदान में उतरे विराट कोहली, जिन्हें दर्शकों से जबरदस्त स्वागत मिला। शुरुआत में थोड़ी परेशानी के बाद कोहली ने रोहित के साथ मिलकर 168 रनों की एक बेहतरीन नाबाद साझेदारी की। रोहित ने 21वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि कोहली ने 75वां वनडे अर्धशतक जड़ा। दोनों ने मिलकर 19वीं बार वनडे में 100 से अधिक की साझेदारी की। 32वें ओवर में कोहली ने 14,235वां रन पूरा कर संगकारा को पीछे छोड़ा, वहीं अगली ही गेंदों में रोहित ने अपना 33वां वनडे शतक पूरा किया।

### रोहित-कोहली ने रन चेज आसान बनाया

रोहित शर्मा और शुभमन गिल की जोड़ी ने भारत के रन चेज को आसान बना दिया। भारतीय ओपनर्स ने 62 बॉल पर 69 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को जोश हेजलवुड ने तोड़ा। यहां गिल 24 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान गिल के आउट होने के बाद रोहित-कोहली की जोड़ी ने भारत को जीत दिला दी।

### कंगारुओं ने पावरप्ले में विकेट गंवाया

टॉस जीतकर बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले-1 में 67 रन बनाने में एक विकेट गंवाया था। जबकि,मैच के शुरुआती ओवर्स में बॉल स्विंग हो रही थी। ऐसे में मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने संभलकर बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़ लिए। हेड को मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच कराया। यहां ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक हुई। पावरप्ले के बाद अक्षर पटेल ने कप्तान मिचेल मार्श (41 रन) को बोल्ड कर दिया। बाद में मैट रेनशॉ ने 56 और मैथ्यू शॉर्ट ने 30 रन बनाए। ट्रैविस हेड ने 29 और एलेक्स कैरी ने 24 रन बनाए।

### प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद रोहित शर्मा ने कहा

जब मैं टीम में आया था, मुझे याद है कि सीनियर्स ने कैसे हमारी मदद की थी,अब यह हमारा काम है कि हम भी वैसा ही करें। हमें अनुभव साझा करना होगा,गेम प्लान बनाने में उनकी मदद करनी होगी। मुझे ऑस्ट्रेलिया में खेलना पसंद है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में मेरी कई अच्छी यादें रही हैं- बेहतरीन पिच,मैदान और दर्शक। मुझे वह करना पसंद है जो मैं करता हूं और उम्मीद है कि इसे करना जारी रखूंगा।

# पाकिस्तानी स्टार क्रिकेटरों के बीबीएल में खेलने पर लगी रोक हटी,बाबर आजम समेत ये खिलाड़ी फिर से आएंगे नजर

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** विदेशी लीगों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के रुख को लेकर शुरुआती अनिश्चितताओं के बाद पाकिस्तान के प्रमुख क्रिकेटरों को आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने की अनुमति मिल गई है। यह फैसला पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद द्वारा सितंबर के अंत में जारी एक नोटिस के बाद आया है,जिसमें खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में शामिल होने से रोक दिया गया था। हालांकि,क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि मामला अब सुलझ गया है और बीबीएल अनुबंध वाले सभी पाकिस्तानी खिलाड़ी योजना के अनुसार भाग लेंगे।

### सीए ने जारी किया बयान

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग के हवाले से कहा कि ये निर्णय पिछले हफ्ते ही लिया गया है। इसलिए वे सभी खेलेंगे,उन्हें खेलने की अनुमति मिल गई है,जिसे लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। बीबीएल में हमारे कुछ बेहतरीन पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं,इसलिए हम उन्हें इस गर्मी में यहां देखने के लिए उत्सुक हैं।

### ये पाकिस्तानी खिलाड़ी आएंगे नजर

इस सीजन के लिए जिन उल्लेखनीय पाकिस्तानी खिलाड़ियों की पुष्टि हुई है,उनमें बाबर आज़म (सिडनी सिक्सर्स),शाहीन शाह अफरीदी (ब्रिस्बेन हीट),हसन अली (एडिलेड स्ट्राइकर्स),मोहम्मद रिज़वान (मेलबर्न रेनेगेड्स),हारिस रऊफ़ (मेलबर्न स्टार्स) और शादाब खान (सिडनी थंडर) शामिल हैं। ये टूर्नामेंट 14 दिसंबर से शुरू होकर 25 जनवरी तक चलेगा,और प्रशंसक विशेष रूप से 5 जनवरी और 18 जनवरी को बाबर और शाहीन के बीच होने वाले मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बता दें कि इस बार बीबीएल में रविचंद्रन अश्विन भी सिडनी थंडर के लिए पूरा सीजन खेलेंगे। यह एक महत्वपूर्ण अनुबंध है,जिसने विदेशी लीगों में भारतीय खिलाड़ियों की भविष्य की भागीदारी के बारे में चर्चाओं को जन्म दिया है। जब ग्रीनबर्ग से पूछा गया कि क्या और भारतीय खिलाड़ी अश्विन के नक्शेकदम पर चल सकते हैं तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह अल्पकालिक और मध्यम अवधि में यथार्थवादी है। हम बातचीत जारी रखेंगे।

# ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर के साथ सरेआम छेड़छाड़,बाइक सवार ने गलत तरीके से छुआ

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** आईसीसी वूमेंस क्रिकेट वर्ल्डकप 2025 के लीग स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला खेलने इंदौर पहुंची ऑस्ट्रेलिया टीम की खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घटना गुरुवार को सुबह खजराना रोड पर हुई,जब खिलाड़ी अपने होटल से बाहर निकलकर पास के एक कैफे की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवाल व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया और थोड़ी दूर जाने के बाद उनमें से एक क्रिकेटर को गलत तरीके से छुआ।

**व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज :** अपनी शर्मनाक हरकत को अंजाम देकर व्यक्ति फरार हो गया। इसके बाद खिलाड़ियों ने तुरंत अपनी टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को इस घटना के बारे में बताया। सिमंस ने स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों से संपर्क किया और उनकी सहायता के लिए एक वाहन की व्यवस्था की। शिकायत के बाद सहायक पुलिस आयुक्त ने खिलाड़ियों से मुलाकात की,उनके बयान दर्ज किए और कानूनी कार्रवाई शुरू की। एमआईजी पुलिस थाने में धारा 74 और 78 के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई। इस घटना के दौरान एक युवक ने छेड़छाड़ करने

वाले व्यक्ति के मोटरसाइकिल का नंबर नोट कर लिया, जिसके बाद शुक्रवार को आरोपी अकील खान की तुरंत पहचान हो गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अकील के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और घटना की आगे की जाँच की जा रही है। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला इंदौर में दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह खबर इंदौर के होल्कर स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच से कुछ घंटे पहले आई है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 6 मुकाबले खेले हैं और 5 में जीत हासिल की है। एक मुकाबला बारिश की वजह से ड्रॉ हो गया।

# श्रेयस अय्यर कैच लेने के दौरान हुए चोटिल,रिब केज में लगी चोट

**सिडनी,25 अक्टूबर 2025।** भारत के उपकप्तान श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले के दौरान बाईं पसलियों (रिब केज) में चोट लग गई। बीसीसीआई ने बताया कि अय्यर को आगे की जांच और मूल्यांकन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह घटना सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया की पारी के 34वें ओवर में हुई,जब अय्यर ने एलेक्स कैरी का शानदार कैच पकड़ा। कैरी ने हर्षित राणा की गेंद पर सीधा शॉट खेलने की कोशिश की,लेकिन गेंद टॉप एज होकर हवा में चली गई। गेंद बैकवर्ड प्वाइंट और डीप थर्ड मैन के बीच गिरने वाली थी,लेकिन अय्यर ने लंबी दौड़ लगाते हुए पीछे की ओर डाइव लगाकर अद्भुत कैच लपका। कैच लेते वक्त अय्यर ज़ोर से ज़मीन पर गिरे। फिजियो को मैदान पर बुलाया गया और अय्यर को कुछ देर बाद मैदान से बाहर ले जाया गया। वह इसके बाद पूरे मैच में मैदान पर वापस नहीं लौटे। ऑस्ट्रेलिया की टीम 236 रन पर 46.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा (नाबाद 121) और विराट कोहली (नाबाद 74) की 168 रनों की अटूट साझेदारी की बदौलत लक्ष्य को 39वें ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया और टीम को 9 विकेट से जीत दिला दी। हालांकि इसके बावजूद शृंखला ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से अपने नाम की।

# हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन का शेड्यूल जारी,तीन शहरों में होंगे मैच

**नई दिल्ली,25 अक्टूबर 2025।** हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने शनिवार को अपने 2025-26 सीज़न के पुरुष और महिला लीग के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा की। भारत की इस प्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता के नए सीज़न की घोषणा रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पर्यटन,कला,संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदीव्य कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव एवं हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह, रांची रॉयल्स टीम के मालिक अलविश एम.ए.,तथा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह,आशिष तानी पुर्ति,संगीता कुमारी,दीपिका सोरेंग,निक्की प्रधान और ब्यूटी डुंग-डुंग भी मौजूद रहे। इस अवसर पर रांची रॉयल्स टीम का नया आधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया गया,जो झारखंड की समृद्ध हॉकी परंपरा और ऊर्जा का प्रतीक है।

**पुरुष और महिला लीग का कार्यक्रम :** इस बार पुरुष लीग तीन प्रमुख शहरों चेन्नई,रांची और भुवनेश्वर में आयोजित होगी, जबकि महिला लीग पिछले वर्ष की तरह पूरी तरह रांची में खेली जाएगी। पुरुषों की हीरो एचआईएल का आगाज़ 3 जनवरी 2026 को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होगा,जहां मेज़बान तमिलनाडु ड्रैगन्स और हैदराबाद तूफान्स के बीच रोमांचक उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। पुरुष लीग में आठ टीमें,तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब,श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (पिछली चैंपियन), वेदांता कलिंगा लैंसर्स,रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल की टीमें हिस्सा लेंगी।

महिला हीरो एचआईएल की शुरुआत 28 दिसंबर 2025 को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में होगी। उद्घाटन मैच रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच खेला जाएगा। महिला लीग में कुल चार टीमें रांची रॉयल्स,एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स भाग लेंगी।

**तीसरा और अंतिम चरण: भुवनेश्वर (17-26 जनवरी)** : सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार भिड़ेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी,जिनमें क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर (23 जनवरी), क्वालिफायर-2 (25 जनवरी) और फाइनल (26 जनवरी, कलिंगा स्टेडियम,भुवनेश्वर) खेला जाएगा।

# भारतीय महिला बेसबॉल टीम चीन रवाना

### इनमें पंजाब की 5 बेटियां,अमृतसर की मनवीर कौर उपकप्तान

**लुधियाना,25 अक्टूबर 2025।** चीन के हांग्जो में महिला बेसबॉल एशिया कप के लिए भारतीय टीम रवाना हो गई। इंडियन बेसबॉल टीम में पंजाब की पांच लड़कियों को जगह मिली है। यही नहीं पंजाब के अमृतसर की मनवीर कौर को टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी भी मिली है। भारतीय महिला बेसबॉल टीम अक्टूबर से 2नंवबर तक चीन में अलग-अलग देशों के साथ अपने मैच खेलेगी। भारतीय महिला बेसबॉल की एशिया कप के लिए लुधियाना में भी कुछ देर कैंप किया। पंजाब बेसबॉल टीम के कोच व पंजाब बेसबॉल एसोसिएशन के महासचिव हरबीर सिंह गिल ने बताया कि एशिया कप के लिए 20 खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ है,उसमें से पांच पंजाब की हैं। उन्होंने बताया कि महिला टीम का दल लुधियाना में प्रैक्टिस करने के बाद चीन के लिए रवाना हुआ।

**टूर्नामेंट में एशिया महाद्वीप की 10 टीमें लेंगी हिस्सा:** हरबीर सिंह गिल ने बताया कि इस टूर्नामेंट में एशिया महाद्वीप की 10 टॉप टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसके लिए महाराष्ट्र की खिलाड़ी रेशमा शिवाजी पुणेकर को भारतीय टीम की कमान दी गई जबकि पंजाब की मनवीर कौर को उपकप्तान बनाया गया। टूर्नामेंट में चीन, चीनी ताइपे,हॉन्गकॉन्ग,जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया,भारत,श्रीलंका और थाईलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी।

**भारतीय टीम में चुनी गई पंजाब की पांच खिलाड़ी:** टीम में जो पांच खिलाड़ी चुनी गई हैं, उनमें से दो लुधियाना की हैं और दो अमृतसर की,जबकि एक खिलाड़ी फिरोजपुर की है। कोच हरबीर सिंह गिल ने बताया कि इनमें से ज्यादातर खिलाड़ी गरीब घरों से हैं। उन्होंने बताया कि निशु व मनवीर के पिता मजदूरी करते हैं।

## मुख्यमंत्री साय पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में हुए शामिल

# पंडवानी एक ऐसी विधा है,जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को विश्व में मिली पहचान:सीएम साय

रायपुर,25 अक्टूबर 2025। पंडवानी एक ऐसी विधा है,जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को पूरी दुनिया में पहचान मिली है। हमारे पंडवानी कलाकारों ने न्यूयॉर्क,पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ की परंपरा को जीवित रखा है,बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा को वैश्विक मंचों तक पहुँचाया है। पंडवानी आज हमारी लोक चेतना,नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव,अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा,छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर,साजा विधायक ईश्वर साहू,राज्य तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू एवं जागेश्वर साहू,पूर्व विधायक लाभचंद बाफना एवं डॉ. दयाराम

### हमारी सरकार छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है: साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरगुजा से लेकर बस्तर तक हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट संस्कृति है। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। कलाकारों की पेंशन राशि में वृद्धि की गई है और अवसरों की संख्या भी बढ़ाई गई है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना का निर्णय लेकर हमने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को सशक्त बनाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था,तब उनके मन में विकास के साथ-साथ संस्कृति को सहेजने की भी गहरी मंशा थी। आज जब ऐसा सुंदर आयोजन देखता हूं,तो मन को सुकून मिलता है कि अटल जी की मंशा पूर्ण हुई है।

साहू,जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे तथा दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज मुझे पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाड़ूराम देवांगन जी की स्मृति भी हो रही है। जब वे हाथ में तंबूरा लेकर प्रस्तुति देते थे,तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते थे। पंडवानी गायन में महिला कलाकारों की विशेष सफलता उल्लेखनीय रही है। मुझे स्वर्गीय लक्ष्मी बंजारे जी का भी स्मरण हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमारी धरती पर तीजन बाई जैसी विभूति हुई,जिन्हें पद्मश्री,पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों सम्मान प्राप्त हुए हैं। जब वे तंबूरा लेकर आलाप भरती हैं,तो ऐसा लगता है मानो आकाश के देवी-देवता भी उन्हें सुन रहे हों। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मैंने अनेक अवसरों पर तीजन बाई जी की पंडवानी सुनी है। श्याम बेनेगल की भारत एक खोज में उनका पंडवानी गायन दृश्य मन को आनंद और उत्सुकता से भर देता है। पद्मडॉ. उषा बारले जी हमारे बीच उपस्थित हैं,जिन्होंने अपने अद्भुत पंडवानी गायन से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडवानी हमारी अमूल्य धरोहर है। आज इस महासम्मेलन के आयोजन के माध्यम से आप सभी ने इस धरोहर को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का अत्यंत सराहनीय कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने बचपन में रामलीला मंडलियों के माध्यम से रामायण की कथाएं और पंडवानी के माध्यम से महाभारत की कथाएं सुनीं। पीढ़ी दर पीढ़ी इन लोककलाकारों ने रामायण और महाभारत जैसी महान कथाओं को जन-जन तक पहुँचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडवानी गायन इस मायने में भी अद्वितीय है कि इसमें स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है।

# रायपुरः राज्योत्सव में 5 बॉलीवुड सिंगर के साथ 1000 छत्तीसगढ़ी कलाकार बिखेरेंगे जादू

## समारोह में भजन सिंगर हंसराज रघुवंशी,बॉलीवुड सिंगर भूमि त्रिवेदी, आदित्य नारायण,अंकित तिवारी और अंतिम दिन कैलाश खेर देंगे प्रस्तुति

रायपुर,25 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव को धूम-धाम तरीके से मनाने की तैयारी कर रहा है। राज्योत्सव में हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मुख्य मंच के अतिरिक्त राज्योत्सव स्थल पर बने शिल्प ग्राम में भी करीब 1 हजार छत्तीसगढ़ी कलाकर अपनी अलग-अलग प्रस्तुति देंगे। समारोह में भजन सिंगर हंसराज रघुवंशी,बॉलीवुड सिंगर भूमि त्रिवेदी,आदित्य नारायण, अंकित तिवारी और अंतिम दिन कैलाश खेर अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे।

राज्योत्सव का उद्घाटन 1नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। यही वजह है कि प्रधानमंत्री की गरिमा के अनुरुप पूरे कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं राज्योत्सव व प्रधानमंत्री से जुड़े अन्य कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को गंभीरत से कार्य करने की हिदायत दी।

### पीएम के रूट पर सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर की रात छत्तीसगढ़ आएंगे। उनके स्वागत के लिए राजधानी के चौक-चौराहों को 12 थीम में तैयार किया गया है। हर चौराहे पर एक सांस्कृतिक दल मौजूद रहेगा, जो सरगुजा से लेकर बस्तर तक की पारंपरिक झलक पेश करेगा। इसके अलावा राज्योत्सव स्थल के परिक्रमा पथ पर सांस्कृतिक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

### बिजली के खंभों में तीन रंग की रोशनी

राज्योत्सव के लिए नवा रायपुर को सजाया जा रहा है। जगह-जगह छत्तीसगढ़ की उपलिब्धयों को दिखाया जाएगा। इसके अलावा बिजली के खंभों को तीन रंग की रोशनी से सजाया जा रहा है,जो कि देखने में तिरंगा जैसा दिखाई देगा।

# 5000 शिक्षकों की भर्ती का रास्ता साफ,वित्त विभाग से मिली मंजूरी

रायपुर,25 अक्टूबर 2025। वित्त विभाग ने प्रदेश में 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति प्रदान कर दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने प्रदेश के शैक्षणिक ढांचे को मजबूत बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य की प्रगति की नींव होती है,और छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चे तक ज्ञान और अवसर दोनों पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह भर्ती न केवल शिक्षण व्यवस्था को गति देगी बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। मुख्यमंत्री साय ने वित्त विभाग द्वारा दी गई सहमति को 'नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम' बताया। 5000 पदों हेतु शिक्षा विभाग शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करेगा। इन पदों की पूर्ति से ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर होगी,जिससे शिक्षण की निरंतरता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। प्रदेश में शिक्षकों की कमी लंबे समय से एक प्रमुख चुनौती रही है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सीमित थी। नई भर्ती से इन क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा,जिससे बच्चों को अब अपने ही गाँव और क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही,यह पहल प्रदेश में शिक्षण के स्तर को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने में सहायक सिद्ध होगी। शिक्षा राज्य के विकास की सबसे सशक्त आधारशिला है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और हर विद्यालय में योग्य शिक्षक उपलब्ध हों। वित्त विभाग द्वारा 5000 शिक्षकों के पदों पर भर्ती की सहमति उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त करेगा,बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा।

# छत्तीसगढ़ में ड्राइवरों का बड़ा चक्काजाम

# 3 लाख वाहन स्टेयरिंग छोड़ेंगे,हाईवे जाम

### प्रमुख मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन चक्काजाम की घोषणा

रायपुर,25 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में आज, 25 अक्टूबर को एक बड़ा आंदोलन शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन ने अपनी 10 प्रमुख मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन चक्काजाम की घोषणा की है।

संगठन के लगभग 3 लाख ड्राइवर आज से स्टेयरिंग नहीं थामेंगे। इसका मतलब है कि पूरे राज्य में परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो जाएगी। ट्रक,बस,टैक्सी और अन्य वाहन सड़कों पर रुक जाएंगे, जिससे हाईवे पर भारी जाम लग सकता है। यह आंदोलन कबीरधाम जिले के कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के बाद शुरू हुआ है। संगठन ने 25 अक्टूबर

तक मांगें पूरी न होने पर हड़ताल की चेतावनी दी थी,जो अब अमल में आ गई है। ड्राइवरों का कहना है कि सरकार उनकी परेशानियां नहीं समझ रही. खासकर, नेशनल हाईवे 130 सी के डोहेल के पासबड़ी संख्या में ड्राइवर जमा हो गए हैं। वे सड़क पर धरना दे रहे हैं और वाहनों को रोक रहे हैं,इससे माल ढुलाई, यात्री परिवहन और दैनिक जरूरतों की चीजों का आवागमन ठप्प हो सकता है।

### ये है मांग

ड्राइवर महासंगठन की सबसे बड़ी मांग है छत्तीसगढ़ में सम्पूर्ण शराबबंदी . उनका तर्क है कि शराबबंदी न होने से सड़क हादसे बढ़ते हैं और ड्राइवरों पर गलत इल्जाम लगता है। इसके अलावा,अन्य मांगों में हिट-एंड-रन कानून में बदलाव,ड्राइवरों की सैलरी बढ़ाना, काम के घंटे कम करना,दुर्घटना बीमा की राशि बढ़ाना, अवैध वसूली रोकना, ईंधन पर सब्सिडी, लाइसेंस नवीनीकरण आसान बनाना,रोड टैक्स में छूट और महिलाओं व बच्चों के लिए सुरक्षा उपाय शामिल हैं। संगठन का कहना है कि ये मांगें सालों से लंबित हैं और अब इन्हें पूरा करना जरूरी है।

### आम लोगों को होगी परेशानी

आंदोलन के कारण आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है। बाजारों में सब्जी,दूध और अन्य सामान की कमी हो सकती है। स्कूल-कॉलेज के बच्चे, मरीज और मजदूर सब प्रभावित होंगे। कवर्धा यूनिट ने सबसे पहले ज्ञापन दिया था,लेकिन अब यह पूरे प्रदेश में फैल गया है। ड्राइवरों ने कहा, हम विकास का पहिया थाम रहे हैं,ताकि सरकार हमारी सुन सके। अगर मांगें न मानी गईं,तो चक्काजाम और तेज होगा।

### स्थानीय प्रशासन कर रहा हाईवे पर ट्रैफिक कंट्रोल की कोशिश

सरकार की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है,लेकिन स्थानीय प्रशासन हाईवे पर ट्रैफिक कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। संगठन के नेता ने कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं,लेकिन मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

# बिलासपुर यूनिवर्सिटी तालाब में मिला छात्र का शव

## एबीवीपी ने एसएसपी से जांच की मांग की

बिलासपुर,25 अक्टूबर 2025। बिलासपुर के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय (तत) के तालाब में एक अज्ञात शव मिलने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी रजनेश सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक कमेटी गठित करने की मांग की है। यह घटना तब सामने आई,जब चार दिन पहले विश्वविद्यालय के छात्रावास से एक छात्र के लापता होने की खबर आई थी। छात्र पुरानी फोटो और टी शर्ट देखकर अंदाजा लगा रहे है कि शव बीएससी थर्ड ईयर के लापता छात्र का हो सकता है। कई छात्र इसे कन्फर्म कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि छात्र के पिता से बात हुई है, उनका कहना है कि 21 अक्टूबर के बाद से बेटे से बात नहीं हुई। जब छात्रों ने इसकी जानकारी यूनिवर्सिटी के अधिकारियों को दी तब छात्र की तलाश शुरू की गई। वहीं, इस मामले में एसएसपी ने प्रतिनिधिमंडल को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। दरअसल,शुक्रवार की रात यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने हॉस्टल का सीसीटीवी और रजिस्टर चेक किया। इसके बाद पता चला कि हॉस्टल से एक छात्र 21 अक्टूबर से गायब है। गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में यूटीडी के पास तालाब में एक युवक का शव मिला।

# बरी होने से दोषी कर्मचारी के विरुद्ध समाप्त नहीं होगी विभागीय कार्यवाही,शासकीय कर्मियों के लिए हाई कोर्ट का अहम फैसला

बिलासपुर,25 अक्टूबर 2025। हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि विभागीय कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए स्थगित या अनुचित रूप से विलंबित नहीं किया जा सकता। डीविजन बेंच ने यह भी कहा कि आपराधिक मामले के लंबित रहने से विभागीय कार्यवाही स्वतः जारी रहने या समाप्त होने पर रोक नहीं लगती। ग्रामीण बैंक की याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डीविजन बेंच ने कहा कि किसी आपराधिक मामले के लंबित रहने से विभागीय कार्यवाही स्वतः जारी रहने या समाप्त होने पर रोक नहीं लगती। इसके चलते विभागीय कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए स्थगित नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमे के लंबित रहने तक अनुशासनात्मक कार्यवाही पर रोक केवल एक उचित अवधि के लिए ही होनी चाहिए। बेंच ने साफ कहा कि किसी कर्मचारी द्वारा आपराधिक मुकदमे की लंबी अवधि का उपयोग विभागीय कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए विलंबित

करने के लिए नहीं किया जा सकता। दरअसल छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में कार्यरत कर्मचारी को शाखा प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया। शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप सामने आए। बैंक की शिकायत पर पुलिस ने ब्रांच मैनेजर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 409, 420 और 120-बी के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया। पुलिस में शिकायत के साथ ही बैंक ने मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की। बैंक ने दावा किया कि जांच उचित प्रक्रिया के तहत की गई,जिसमें आरोपों की जांच,गवाहों से पूछताछ और क्रॉस एक्जामिनेशन का अवसर प्रदान करना शामिल था। ब्रांच मैनेजर ने विभागीय कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की। याचिका में बताया कि जिन आरोपों पर विभागीय जांच की जा रही है, उन्हीं आरोपों पर आपराधिक मुकदमा लंबित है।

मामले की सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने बैंक को निर्देश दिया कि अनुशासनात्मक कार्यवाही में कोई अंतिम आदेश पारित न किया जाए। हालांकि, बैंक ने जांच प्रक्रिया जारी रखी। उसने जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की, कारण बताओ नोटिस जारी किया और प्रतिवादी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया। केवल अनुशासनात्मक प्राधिकारी का अंतिम आदेश ही लंबित रहा। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए बैंक को निर्देश दिया कि आपराधिक मुकदमे की समाप्ति के बाद ही विभागीय कार्यवाही आगे बढाया जाय। सिंगल बेंच के फैसले को चुनोती देते हुए बैंक ने डीविजन बैंक के समक्ष याचिका दायर की।

# आईएएस की शिकायत पर बीजेपी नेता अरेस्ट

रायगढ़,25 अक्टूबर 2025। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता को आईएएस अधिकारी के खिलाफ टिप्पणी करना भारी पड़ गया। पुलिस ने भाजयुमो नेता पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया है। मामला घरघोड़ा अनुविभाग का है। घरघोड़ा अनुविभाग के ग्राम तिलाईपाली निवासी अजीत गुप्ता भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता है। उनके द्वारा एनटीपीसी लारा परियोजना के विरोध में लगातार प्रदर्शन किया जा रहा हैं। पांच दिनों पूर्व भी उन्होंने एनटीपीसी परियोजना के विरोध में आंदोलन किया था। आंदोलन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो जाने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की तैनाती की गई थी और अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। किसी तरह

पुलिस की समझाइश के बाद आंदोलन को समाप्त करवाया गया था। बता दे कि घरघोड़ा अनुविभाग में एसडीएम के पद पर आईएएस दुर्गा प्रसाद पदस्थ हैं। वे 2022 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मूलतः उड़ीसा के रहने वाले दुर्गा प्रसाद जांजगीर जिले में प्रोबेशनर रहे हैं। रायगढ़ के घरघोड़ा में एसडीएम हैं। भाजयुमो नेता अजीत गुप्ता ने आंदोलन के कुछ दिनों बाद अपने फेसबुक अकाउंट पर घरघोड़ा एसडीएम दुर्गा प्रसाद पर अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी कर दी।

# बिलासपुर में जवाली नाले पर चला बुलडोजर अवैध कमर्शियल बिल्डिंग पर कार्रवाई नहीं

बिलासपुर,25 अक्टूबर 2025। बिलासपुर में नगर निगम ने दिवाली पर्व के बाद एक बार फिर से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार (25 अक्टूबर) को जवाली नाले के पास बनाए गए दुकान और मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान लोगों ने निगम के अफसरों पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा मचाया। वहीं,निगम के अफसरों ने कहा कि अभी अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। केवल सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों का अतिक्रमण हटाया जा रहा है। बता दें कि यहां एक व्यापारी ने बिना अनुमति के चार मंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बना लिया है,जिस पर अब तक कार्रवाई नहीं की गई है।

# बिलासपुर में युवक पर हथौड़ी से हमला,गाड़ी में तोड़फोड़ करने से रोकने पर हुआ विवाद

बिलासपुर,25 अक्टूबर 2025। बिलासपुर में गाड़ी में तोड़फोड़ करने से मना करने पर युवक और उसके परिवार के लोगों ने मारपीट कर हथौड़ी से हमला कर दिया,जिससे एक युवक का सिर फट गया है। घायल युवक की शिकायत पर पुलिस ने हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। मंगला चौक स्थित मिनोचा कॉलोनी निवासी अजय विश्वकर्मा ने रिपोर्ट कराई। रिपोर्ट के अनुसार दिवाली के समय कुछ युवकों ने अजय की गाड़ी के शीट कवर पर ब्लेड मार दिया था। इसके बाद अजय ने उन युवकों पर नजर

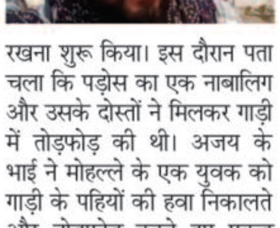

रखना शुरू किया। इस दौरान पता चला कि पड़ोस का एक नाबालिग और उसके दोस्तों ने मिलकर गाड़ी में तोड़फोड़ की थी। अजय के भाई ने मोहल्ले के एक युवक को गाड़ी के पहियों की हवा निकालते और तोड़फोड़ करते हुए पकड़ लिया। जब उन्होंने युवक को रोकने की कोशिश की,तो युवक ने विवाद शुरू कर दिया।

# बीजापुर में नक्सलियों ने मामा-भांजे को मार-डाला

## घर से बाहर बुलाकर धारदार हथियार से हत्या की,मृतकों में एक सीआरपीएफ जवान का भाई

बीजापुर,25 अक्टूबर 2025। बीजापुर जिले में माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। नेलाकांकेर गांव में शुक्रवार (24 अक्टूबर) रात को नक्सलियों ने 2 युवकों को घर से बाहर बुलाया और मार डाला। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे और पड़ोसी हैं। मामला उसूर थाना क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान रवि कट्टम (25 वर्ष) और तिरुपति सोढ़ी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक तिरुपति का भाई सीआरपीएफ में जवान है। पुलिस ने आशंका जताई है कि माओवादियों ने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम

दिया है। घटना की सूचना मिलते ही उसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल,पुलिस और सुरक्षाबल आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं। यह घटना प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के बीजापुर और उसूर क्षेत्र के हालिया दौरे के कुछ दिनों बाद हुई है। माना जा रहा है कि माओवादी सुरक्षाबलों और प्रशासनिक गतिविधियों से बौखलाए हुए हैं। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक,तिरुपति सोढ़ी 8वीं पास था। पेशे से किसान था। कट्टम रवि 12 वीं पास था। बताया जा रहा है दोनों का आवापल्ली,बीजापुर मुख्यालय आना जाना होता था। इसलिए मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने उन्हें मारा है। एक महीने में नक्सलियों ने 7 ग्रामीणों को मार डाला। जानकारी के मुताबिक,नक्सलियों ने अक्टूबर महीने में 5 ग्रामीणों को मौत के घाट उतारा है। गृहमंत्री अमित शाह के 4 अक्टूबर के बस्तर दौरे से ठीक पहले नक्सलियों ने सुकमा और बीजापुर जिलों में दो ग्रामीणों की हत्या की थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)